twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | बुधवार, 02 जुलाई, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 226, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

नई खेल नीति पर केंद्र सरकार की मुहर

भारत को खेल महाशक्ति बनाना लक्ष्य, खेलों के जरिए राष्ट्रीय विकास और ओलंपिक 2036 की तैयारी की दिशा में बड़ा कदम

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्र सरकार नई राष्ट्रीय खेल नीति 2025 (एनएसपी-2025) लाई है जिसका उद्देश्य भारत को वैश्विक खेल महाशक्ति बनाना है। एनएसपी-2025 वर्ष 2001 की राष्ट्रीय खेल नीति का स्थान लेगी। इसका लक्ष्य नागरिकों को खेलों के माध्यम से सशक्त बनाना और भारत को 2036 ओलंपिक सहित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन और आयोजन के लिए तैयार करना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में राष्ट्रीय खेल नीति-2025 को मंजूरी दी गई। सरकार का कहना है कि नीति व्यापक परामर्श के बाद तैयार की गई है, जिसमें केंद्र सरकार, राज्य सरकारें, नीति आयोग, खेल संघ, खिलाड़ी और विशेषज्ञ शामिल रहे। नीति पांच प्रमुख स्तंभों पर आधारित है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने मंगलवार को पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय खेल नीति-2025 के सफल क्रियान्वयन के लिए एक ठोस रणनीतिक ढांचा तैयार किया गया है। इसमें सशक्त खेल प्रशासन के तहत खेलों के लिए मजबूत कानूनी और नियामक ढांचा विकसित करने की योजना है। निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करते हुए पीपीपी मॉडल और कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के माध्यम से वित्तीय सहयोग और समर्थन प्राप्त किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि तकनीकी नवाचार जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स और अनुसंधान के जरिए खिलाड़ियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन और योजनाओं की निगरानी की जाएगी। नीति में एक राष्ट्रीय निगरानी ढांचा भी प्रस्तावित है, जिसमें स्पष्ट प्रमुख प्रदर्शन संकेतक (केपीआई), लक्ष्य और समयबद्ध योजनाएं शामिल हैं। इसके अतिरिक्त सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को इस नीति के अनुरूप अपनी राज्य स्तरीय खेल नीतियां बनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। खेलों के समग्र विकास के लिए एक समेकित सरकारी दृष्टिकोण अपनाया जाएगा, जिसमें सभी मंत्रालयों और विभागों की

एनएच-87 के परमकुड़ी-रामनाथपुरम तक का खंड बनेगा चार लेन

नई दिल्ली। तमिलनाडु में एनएच-87 के परमकुड़ी से रामनाथपुरम तक के खंड को चार लेन का किया जाएगा। केन्द्र सरकार ने इसे मंजूरी प्रदान कर दी है। इस परियोजना से क्षेत्रीय संपर्क, पर्यटन और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। निर्माण क्षेत्र की कुल लंबाई 46.7 किलोमीटर है और अनुमानित लागत 1,853 करोड़ रुपये है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट की मंगलवार को हुई बैठक में उक्त आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने इस संबंध में आयोजित पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। परियोजना का उद्देश्य दक्षिणी तमिलनाडु के प्रमुख आर्थिक, सामाजिक और लॉजिस्टिक केंद्रों के बीच निर्बाध संपर्क सुनिश्चित करना है।

इसके अंतर्गत दो प्रमुख रेलवे स्टेशन (मदुरै और रामेश्वरम), एक हवाई अड्डा (मदुरै) और दो छोटे बंदरगाह (पंबन और रामेश्वरम) को सड़क मार्ग से जोड़ा जाएगा। इससे यात्रियों और माल की तेज आवाजाही संभव हो सकेगी।

अनुसंधान विकास और नवाचार योजना को मिली मंजूरी

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्रीय कैबिनेट ने मंगलवार को देश के अनुसंधान और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से एक लाख करोड़ रुपये के कोष के साथ अनुसंधान विकास एवं नवाचार (आरडीआई) योजना को मंजूरी प्रदान की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में इस आशय से जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गयी। अनुसंधान विकास और नवाचार (आरडीआई) योजना का उद्देश्य निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा देने के लिए कम या शून्य ब्याज दरों पर लंबी अवधि के लिए वित्तपोषण प्रदान करना है। इस योजना को निजी क्षेत्र में वित्तपोषण में बाधाओं और चुनौतियों को दूर करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका उद्देश्य नवोन्मेष को सुविधाजनक बनाने, प्रौद्योगिकी को अपनाने को बढ़ावा देने और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए उभरते और रणनीतिक क्षेत्रों के विकास के लिए पूंजी प्रदान करना है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि इस योजना के मुख्य उद्देश्य निजी क्षेत्र को उभरते क्षेत्रों और आर्थिक सुरक्षा के साथ अनुसंधान, विकास और नवाचार (आरडीआई) को प्रोत्साहित करना है। इसके साथ प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उच्च स्तरों पर परिवर्तनकारी परियोजनाओं को वित्तपोषित करना और उन प्रौद्योगिकियों के अधिग्रहण का समर्थन करना जो महत्वपूर्ण हैं। इसके साथ डीप-टेक फंड ऑफ फंड्स की स्थापना की सुविधा प्रदान करना है।

श्रीलंका ने फिर पकड़े 7 भारतीय मछुआरे, नाव जब्त

नई दिल्ली/एजेंसी

श्रीलंका की नौसेना ने मंगलवार को कहा कि उसने देश के जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में सात भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है और उनकी नौका को जब्त कर लिया है। एक सप्ताह के भीतर मछुआरों को गिरफ्तार करने की यह दूसरी घटना है। नौसेना के प्रवक्ता ने बताया कि ये गिरफ्तारियां सोमवार रात को तलाईमन्नार क्षेत्र के जलक्षेत्र में की गईं। नौसेना ने बताया कि गिरफ्तार मछुआरों और उनकी नौका को मन्नार में मत्स्य निरीक्षणालय को सौंप दिया जाएगा। नौसेना ने रविवार को आठ भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया था। भारत और श्रीलंका दोनों के मछुआरों को अक्सर अनजाने में एक-दूसरे के जलक्षेत्र में प्रवेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया जाता है।

मछुआरों का मुद्दा भारत और श्रीलंका के बीच संबंधों में एक विवादास्पद विषय रहा है, जिसमें श्रीलंका की नौसेना के कर्मियों ने तो पाक जलडमरूमध्य में देश के जल क्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश करने की कई कथित घटनाओं में भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी तक की और उनकी नौकाओं को जब्त कर लिया था। पाक जलडमरूमध्य, तमिलनाडु को श्रीलंका से अलग करने वाला एक संकरा जलक्षेत्र है, जो दोनों देशों के मछुआरों के लिए मछली पकड़ने के लिहाज से एक समृद्ध क्षेत्र है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवन ऐप को किया लॉन्च

नई दिल्ली/एजेंसी

रेल मंत्री ने CRIS के 40वें स्थापना दिवस समारोह में एक 'रेलवन' ऐप को लॉन्च किया. यह ऐप दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है. रेलवन ऐप यात्रियों की सभी आवश्यक सेवाओं के लिए एक वन-स्टॉप सॉल्यूशन है. इस ऐप के माध्यम से यात्रियों को निम्नलिखित सेवाओं तक सरलता से पहुंच मिलती है, टिकटिंग-आरक्षित, अनारक्षित, प्लेटफार्म टिकट; ट्रेन और ढठफ पूछताछ,यात्रा योजना, रेल मदद सेवाएं, ट्रेन में भोजन बुकिंग. इसमें माल परिवहन (फ्रेट) से संबंधित पूछताछ की सुविधा भी उपलब्ध है।

भारत के 'आकाश' का दिख रहा दबदबा

ब्राजील खरीद सकता है ये हाईटेक एयर डिफेंस सिस्टम

नई दिल्ली/एजेंसी

भारत की रक्षा क्षमताएं अब वैश्विक स्तर पर पहचान बना रही हैं। भारतीय हथियारों की तकनीक अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर सराही जा रही है। ब्राजील ने भारत की 'आकाश' वायु रक्षा प्रणाली और 'गरुड़' तोपों में गहरी दिलचस्पी दिखाई है। विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने जानकारी दी कि ब्राजील ने इन आधुनिक रक्षा उपकरणों सहित अन्य भारतीय प्रणालियों को हासिल करने

की इच्छा जताई है। यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन यात्रा से पहले आया है, जो अगले सप्ताह दक्षिण अमेरिकी देश ब्राजील में होने जा रही है।

द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पर चर्चा

विदेश मंत्रालय में सचिव पी. कुमारन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी कि भारत और ब्राजील के बीच रक्षा क्षेत्र में सहयोग को बढ़ाने पर गंभीर विचार किया जा रहा है।

उन्होंने बताया, "संयुक्त अनुसंधान, तकनीकी साझाकरण और प्रशिक्षण के अवसरों पर बातचीत चल रही है।

'व्यापार और सीजफायर से जुड़ी कोई बात नहीं हुई थी'

नई दिल्ली/एजेंसी

भारत-पाकिस्तान बीच हुए तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि दोनों देशों के बीच उन्होंने सीजफायर कराया था। अब इस दावे को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सिरे से खारिज कर दिया है। न्यूयॉर्क में न्यूजवीक को दिए इंटरव्यू में उन्होंने मई में भारत की ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद के घटनाक्रम की पूरी कहानी बयां की है। जयशंकर ने बताया कि वह उस वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ कमरे में मौजूद थे, जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने फोन पर बात की थी। उन्होंने साफ कहा कि व्यापार

और सीजफायर से जुड़ी कोई बात नहीं हुई थी। भारत ने पाकिस्तान की धमकियों को ठुकराते हुए आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया। मैं उस वक्त कमरे में मौजूद था जब पीएम मोदी को अमेरिका उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस का फोन आया था। इस दौरान व्यापार और सीजफायर को लेकर कोई बात नहीं हुई थी।

जयशंकर ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को 'आर्थिक युद्ध' बताते हुए कहा कि यह कश्मीर के पर्यटन को तबाह करने और धार्मिक हिंसा भड़काने की साजिश थी। विदेश मंत्री जयशंकर ने बताया कि 9 मई की रात को पाकिस्तान ने भारत पर बड़ा हमला किया, लेकिन भारतीय सेना ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की। अगली सुबह अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने जयशंकर से बात की और बताया कि पाकिस्तान बातचीत के लिए तैयार है। उसी दिन दोपहर में पाकिस्तान के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस मेजर जनरल काशिफ अब्दुल्ला ने भारतीय समकक्ष लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को फोन कर सीजफायर की गुजारिश की। विदेश मंत्री ने कहा, "मैंने खुद देखा कि क्या हुआ।"

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक कदम

पहली बार स्टाफ के लिए आरक्षण नीति लागू

नई दिल्ली/एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए 75 साल के इतिहास में पहली बार स्टाफ के लिए आरक्षण नीति लागू की है। इसके तहत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को सुप्रीम कोर्ट के गैर न्यायिक पदों पर नियुक्तियों और प्रमोशन में आरक्षण का लाभ मिलेगा।

गैर न्यायिक पदों पर लागू हुआ आरक्षण

सुप्रीम कोर्ट में आरक्षण नीति 23 जून 2025 को लागू हुई। यह भारत के सर्वोच्च न्यायालय में प्रशासनिक कामकाज में बड़े बदलाव का संकेत है। हालांकि जजों पर आरक्षण लागू नहीं होगा और सिर्फ रजिस्ट्रार, वरिष्ठ निजी सहायक, सहायक लाइब्रेरियन, जूनियर कोर्ट सहायक, चैंबर अटेंडेंट आदि पदों पर आरक्षण लागू होगा। सुप्रीम कोर्ट में आरक्षण के तहत तीन कैटेगरी होंगी, जिनमें एससी, एसटी और गैर आरक्षित शामिल होंगी।

सुप्रीम कोर्ट ही क्यों अपवाद रहे?

आरक्षण लागू करने को लेकर मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि अगर सभी सरकारी संस्थानों और विभिन्न उच्च न्यायालयों में आरक्षण नीति लागू है तो फिर सुप्रीम कोर्ट को ही क्यों अपवाद रखा जाए? उन्होंने कहा कि हमारे मूल्य हमारे एक्शन का आईना होना चाहिए। 24 जून को जारी सर्कुलर के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट में अनुसूचित जाति (एससी) के कर्मचारियों को 15 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा, जबकि अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग को 7.5 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा।

मखाना को वैश्विक बाजार में मिलेगी अपनी विशिष्ट पहचान

नई दिल्ली/एजेंसी

बिहार के सुपरफूड मखाना को अंतरराष्ट्रीय स्तर का खास हमोर्नाइज्ड सिस्टम कोड मिल जाने से अब इसे वैश्विक स्तर पर विशेष पहचान मिलेगी। बिहार के मिथिलांचल क्षेत्र में खेती होने वाले मखाना को अंतरराष्ट्रीय स्तर का खास एचएस कोड प्रदान किया गया है। इससे इस खास किस्म के जल फल को नई पहचान मिली है। इसे एक ऐतिहासिक उपलब्धि मानी

जा रही है। वर्षों के सतत प्रयासों के बाद मखाना उत्पादकों, प्रोसेसर्स और उद्यमियों को अब उनका हक मिला है।

मखाना को वैश्विक बाजार में मिलेगी अपनी विशिष्ट पहचान

मिथिलांचल खासकर दरभंगा, मधुबनी, सहरसा, सुपौल, पूर्णिया, कटिहार समेत अन्य जिलों की खास पहचान यह मखाना है। इस कोड के मिलने से यह अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपने अलग नाम और हक से जाना जाएगा। इस कोड के मिलने से मखाना को वैश्विक बाजार में अपनी विशिष्ट पहचान मिलेगी, जिससे इसके व्यापार में पारदर्शिता और सहूलियत बढ़ेगी। मखाना को तीन विशिष्ट श्रेणी में बांटकर इसके लिए एचएस कोड निर्धारित किए गए हैं।

डिजिटल इंडिया पहल के 10 साल पूरे, सरकार ने गिनाई उपलब्धियां

नई दिल्ली/एजेंसी

डिजिटल इंडिया मिशन के दस साल पूरे हो गए हैं। एक जुलाई 2015 को यह मिशन शुरू हुआ था। इसके दस वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि भारत में अब 97 करोड़ से अधिक इंटरनेट कनेक्शन हैं, जो 2014 के 25 करोड़ से उल्लेखनीय वृद्धि है। उन्होंने देश में प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी यात्रा और शासन, अर्थव्यवस्था और रोजमर्रा की जिंदगी पर इसके व्यापक प्रभाव पर प्रकाश डाला।

इसके साथ भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी इस डिजिटल इंडिया मिशन को डिजिटल क्रांति लाने वाला दूरदर्शी कार्यक्रम बताया। नड्डा ने एक्स पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शुरू की गई डिजिटल इंडिया पहल के 10 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। इस दूरदर्शी कार्यक्रम ने पूरे देश में डिजिटल क्रांति ला दी है, एक मजबूत डिजिटल बुनियादी ढांचे का निर्माण किया है जिसने न केवल लाखों लोगों को जोड़ा है बल्कि नागरिकों के बीच डिजिटल विभाजन को भी पाटा है।

राष्ट्रपति ने यूपी को दी पहले आयुष विश्वविद्यालय की सौगात

गोरखपुर/एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को गोरखपुर में उत्तर प्रदेश के पहले आयुष विश्वविद्यालय (विवि) का लोकार्पण किया। यह आयुष विश्वविद्यालय भटहट क्षेत्र के पिपरी में 52 एकड़ क्षेत्रफल में बना है। इस विश्वविद्यालय के निर्माण में 267.50 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। राष्ट्रपति सोमवार से उत्तर प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर हैं।

आयुष विश्वविद्यालय के लोकार्पण के अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि तपस्या साधना की धरती गोरखपुर राष्ट्रप्रेम की भी भूमि है। गोरखपुर धरती से जुड़ी महानविभूतियों को नमन करते हुए राष्ट्रपति ने गीता प्रेस का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मंदिर में पूजा-अर्चना करने के मौके पर कल गीता प्रेस की ओडिया भाषा में

मुझे शिव पुराण और भगवद्गीता पुस्तक भेंट की गयी। गीता प्रेस का योगदान बहुत अच्छा है। उन्होंने कहा कि महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय का लोकार्पण करके हमें प्रसन्नता हो रही है। मुझे खुशी हो रही है कि यहां उच्चस्तरीय सुविधाओं की व्यवस्था की गयी है। यहां आयुष पद्धतियों में स्नातक से लेकर उच्च स्तर का शिक्षण किया जाएगा। आयुष पद्धतियों से जुड़ी शिक्षा, पारम्परिक पद्धतियों के शोध कार्य पर विशेष जोर दिया जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को धन्यवाद देना चाहती हूं। उन्होंने अथक और निद्राजीत का उल्लेख करते हुए कहा कि योगी बिना थके, बिना रुके कार्य कर रहे हैं। डाक्टर और नर्स को भी अथक और निद्राजीत बनना होगा। आप सब जीवनदायिनी हैं। आपको आत्मावलोकन करना चाहिए कि क्या हम बेहतर कर पा रहे हैं। भारत योगी और ऋषियों की भूमि है। राष्ट्रपति ने कहा कि जल, थल, आकाश, वायु और अग्नि से मिलकर बना यह शरीर है। हमारे पास आज सारी सुविधाएं हैं। क्या यह सारी सुविधाओं का हमे उपयोग करना ठीक है। हम आभारी हैं प्रधानमंत्री मोदी के, उन्होंने योग का बढ़ावा दिया। आज भारत का डंका पूरे विश्व में बज रहा है। हम कहते हैं कि स्वास्थ्य ही संपदा है। भारत को विश्व गुरु बनने के लिए हमें आज से ही प्रयास करना होगा। राष्ट्रपति ने आहार, विहार पर भी अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि हमे स्वथ रहना है तो इलाज के साथ इसे भी अपनाना होगा। आयुर्वेद दवाओं की एक्सपायरी नहीं है। देश-विदेश की उपयोगी चिकित्सा पद्धतियों को 2014 के बाद देश और 2017 के बाद उप्र ने आयुष विभाग स्थापित कर अपनाया है। आयुष पद्धतियों की लोकप्रियता बढ़ रही है। महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विवि इसमें बहुत ही उपयोगी साबित होगा। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि आयुष विवि खुलने से इलाज बेहतर होगा। साथ ही किसानों को भी फायदा होने वाला है। आयुर्वेद की दवाएं बनाने के लिए कई विशेष प्लांट चाहिए। वह खेत में ही होगा। इन दवाओं में केमिकल नहीं उपयोग किया जाएगा।

मनुष्य सोचने-समझने की शक्ति का इस्तेमाल सभी जीवों के कल्याण के लिए करे : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

एजेंसी

भरतपुर।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सभी प्रजातियों के संरक्षण को जैव विविधता और पृथ्वी के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा है कि ईश्वर ने मनुष्य को जो सोचने और समझने की शक्ति दी है उसका इस्तेमाल सभी जीवों के कल्याण के लिए किया जाना चाहिए। श्रीमती मुर्मु ने सोमवार को बरेली में भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के दीक्षांत समारोह में कहा कि मनुष्य का वनों और वन्यजीवों के साथ सह-अस्तित्व का रिश्ता है। कई प्रजातियों के या तो विलुप्त होने या विलुप्त होने के कगार पर पहुंचने का उल्लेख करते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि इन प्रजातियों का संरक्षण जैव विविधता और पृथ्वी के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा , ईश्वर ने मनुष्य को जो सोचने और समझने की शक्ति दी है, उसका उपयोग सभी जीवों के कल्याण के लिए किया जाना चाहिए। कोरोना महामारी ने मानव जाति को आगाह किया है कि उपभोग पर आधारित संस्कृति न केवल मानव जाति को बल्कि अन्य जीवों और पर्यावरण को भी अकल्पनीय नुकसान पहुंचा सकती है। राष्ट्रपति ने कहा कि 'ईशावास्यम् इदं सर्वम्' के जीवन मूल्य पर आधारित भारतीय संस्कृति सभी जीवों में ईश्वर की उपस्थिति देखती है। देवताओं और ऋषियों द्वारा जानवरों से संवाद करने की मान्यता भी इसी सोच पर आधारित है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि आज पूरे विश्व में 'एक स्वास्थ्य' की

अवधारणा को महत्व मिल रहा है। इसका मानना है मनुष्य, पालतू तथा जंगली जानवर, वनस्पतियां और व्यापक पर्यावरण सभी एक दूसरे पर निर्भर हैं। हमें पशु कल्याण के लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक प्रमुख पशु चिकित्सा संस्थान के रूप में आईवीआरआई इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है खासकर जूनोटिक रोगों की रोकथाम और नियंत्रण में। राष्ट्रपति ने कहा कि अन्य क्षेत्रों की तरह प्रौद्योगिकी पशु चिकित्सा और उनकी देखभाल में भी क्रांतिकारी बदलाव लाने की क्षमता रखती है। प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से देश भर के पशु चिकित्सालयों को सशक्त बनाया जा सकता है। जीनोम एडिटिंग, भ्रूण स्थानांतरण तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बिग डेटा एनालिटिक्स जैसी तकनीकों का उपयोग इस क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। उन्होंने आईवीआरआई जैसे संस्थानों से पशुओं के लिए स्वदेशी और कम लागत वाले उपचार और पोषण खोजने की अपील की। उन्होंने कहा कि उन्हें उन दवाओं के विकल्प भी तलाशने चाहिए जिनके दुष्प्रभाव न केवल जानवरों बल्कि मनुष्यों और पर्यावरण को भी प्रभावित करते हैं।राष्ट्रपति ने मासूम और बेजुबान जानवरों के इलाज तथा कल्याण को अपना करियर चुनने के लिए आईवीआरआई के छात्रों की सराहना की। उन्होंने उन्हें सलाह दी कि अपने जीवन और करियर में किसी दुविधा की स्थिति में जानवरों के बारे में सोचें। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें सही रास्ता मिलेगा। राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों से उद्यमी बनने और पशु विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में स्टार्ट-अप स्थापित करने का आग्रह किया।

बोधगया मंदिर बौद्धों को सौंपने की याचिका पर विचार करने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बिहार के बोधगया मंदिर का नियंत्रण और प्रबंधन बौद्धों को सौंपने का निर्देश देने की मांग को लेकर प्रस्तुत याचिका पर विचार करने से सोमवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने सुलेखाताई नलिनिताई नारायणराव कुंभारे की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। पीठ ने हालांकि याचिकाकर्ता नारायणराव को इस मामले में उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की अनुमति दी। अदालत ने याचिकाकर्ता को पटना उच्च न्यायालय से गुहार लगाने को कहा। न्यायमूर्ति सुंदरेश की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर याचिका पर सीधे विचार नहीं किया जा सकता है, क्योंकि ऐसी याचिका विचारणीय नहीं है। याचिकाकर्ता ने बोधगया मंदिर प्रबंधन अधिनियम, 1949 में संशोधन करने और मंदिर का नियंत्रण और प्रबंधन बौद्धों को सौंपने का निर्देश देने की गुहार लगाई थी। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने संबंधित बोधगया मंदिर अधिनियम को अधिकार क्षेत्र से बाहर बताते हुए कहा कि उसे रद्द कर दिया जाना चाहिए। गौरतलब है कि बिहार के बोधगया में महाबोधि मंदिर परिसर यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल है। यह भगवान गौतम बुद्ध के जीवन से जुड़े चार पवित्र क्षेत्रों में से एक है। ऐसा माना जाता है कि बोधगया वह स्थान है, जहाँ भगवान बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी।

नमाज़वादी इंडी गठबंधन बिहार में शरीया कानून लागू करना चाहता है: भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)ने बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के नये वक्फ कानून को कूड़ेदान में फेंकने संबंधी बयान की कड़ी प्रतिक्रिया जतायी है और पूछा है कि क्या 'नमाज़वादी' इंडी गठबंधन बिहार में शरीया कानून लागू करना चाहता है। भाजपा प्रवक्ता एवं सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने आज यहां पार्टी मुख्यालय पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में पटना के गांधी मैदान में रविवार को राष्ट्रीय जनता दल की रैली में श्री तेजस्वी यादव के भाषण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, अभी हाल ही में हमने भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे दुर्दात काले अध्याय आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण किए। लेकिन बड़े दुख की बात है, पटना के उसी गांधी मैदान में जहां आपातकाल के दौरान संविधान की रक्षा और संविधान के सम्मान के लिए जान की परवाह किए बिना लाखों लोग एकत्र हुए थे। वहां कल एक ऐसी रैली हुई, जिसमें इंडी गठबंधन के सहयोगी बिहार के नेता तेजस्वी यादव ने ?कहा कि संसद के कानून को (वक्फ बोर्ड कानून) कूड़ेदान में फेंक देंगे। जबकि यह कानून (वक्फ बोर्ड कानून) दोनों सदनों से पारित है और न्यायालय में विचाराधीन है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, इसका अर्थ ये हुआ कि न संसद का सम्मान है, न न्यायपालिका का सम्मान है। वोट बैंक की चाहत में इंडी गठबंधन के सहयोगी तेजस्वी यादव द्वारा जो कुछ बोला गया है, उससे साफ है कि ये संविधान को कूड़ेदान में फेंकने की मानसिकता से बाहर नहीं आ पा रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं यह कहना चाहता हूँ कि कुरान में 'वक्फ' जैसा कोई शब्द नहीं है। यह मुल्लाओं और मौलवियों द्वारा बनाया गया शब्द है। इस्लाम आपको खर्च करना, देना सिखाता है, न कि रखना या जमा करना। और फिर भी, आप कहते हैं, संग्रह करो? यह बाबा साहब के संविधान का मज़ाक उड़ाने के अलावा और कुछ नहीं है बल्कि इसे धर्मनिरपेक्ष दस्तावेज़ से मौलवियों की स्क्रिप्ट में बदलने की कोशिश है। डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि अगर वे कभी सत्ता में आए तो यह संभव है कि वे बाबा साहब अंबेडकर के संविधान को कूड़ेदान में फेंक देंगे और शरिया कानून लागू करेंगे। यह कोई अतिश्योक्ति नहीं है। याद रखें, भारत में सरकार ने केवल एक बार 400 सीटें पार की हैं - 1985 में। और फिर क्या हुआ? शाहबानो मामले को देखें। उस 400 से ज़्यादा की सरकार ने उच्चतम न्यायालय के फ़ैसले को कुचल दिया और शरिया कानून को संविधान से ऊपर रख दिया। भाजपा प्रवक्ता ने सवाल किया, क्या इंडी गठबंधन बिहार में शरिया कानून लागू करने की कोशिश कर रहा है? क्या राजद और समाजवादी पार्टी (सपा) जैसी पार्टियां अपनी तुष्टीकरण की राजनीति को छिपाने के लिए समाजवाद का मुखौटा पहन रही हैं? डॉ. त्रिवेदी ने कहा, समाजवाद का मतलब है समान वितरण। लेकिन यहां, वे इस बात की वकालत कर रहे हैं कि जमीन के एक बड़े हिस्से पर मुट्ठी भर मुल्लाओं और मौलवियों का कब्ज़ा होना चाहिए। ये नेता वंचित मुसलमानों के साथ नहीं खड़े हैं। वे उन लोगों के साथ खड़े हैं जो धर्म के नाम पर गरीब मुसलमानों का शोषण करते हैं। अगर उन्हें 'समाजवादी' के बजाय 'नमाजवादी' कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी।

पंजाब पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग कार्टेल का किया भंडाफोड़, 60 किलो हेरोइन बरामद

अमृतसर । पंजाब पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और राजस्थान पुलिस के साथ मिलकर एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग कार्टेल का भंडाफोड़ किया है । इस कार्रवाई में राजस्थान के बाड़मेर जिले में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास से 60.302 किलोग्राम हेरोइन की बड़ी खेप बरामद की गई। इस कार्टेल को पाकिस्तानी तस्कर तनवीर शाह और कनाडा में रहने वाला हैंडलर जोबन कलेर संचालित कर रहा था। पंजाब पुलिस ने इस ऑपरेशन में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और जम्मू-कश्मीर से नौ प्रमुख तस्करों और हवाला ऑपरेटरों को गिरफ्तार किया। इन गिरफ्तारियों ने ड्रग तस्करी के इस विशाल नेटवर्क की कमर तोड़ दी, जो न केवल भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सक्रिय था।

मौजूदा राजनीतिक माहौल लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं: उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड

एजेंसी

नई दिल्ली । उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि मौजूदा राजनीतिक माहौल में आरोप प्रत्यारोप का ऐसा दौर चल रहा है जिसमें राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति को भी घसीट लिया जाता है और यह भारतीय लोकतंत्र और संस्कृति से मेल नहीं खाता। श्री धनखड़ ने राजस्थान के जयपुर में राज्य के पूर्व विधायकों के संगठन राजस्थान प्रगतिशील मंच के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देश का मौजूदा राजनीतिक परिवेश भारत की हजारों वर्ष पुरानी संस्कृति से भी मेल नहीं खाता है। उन्होंने कहा,÷ राजनीति में आप अलग-अलग दलों में हो सकते हैं और इसमें भी बदलाव होता रहता है। सत्ता पक्ष प्रतिपक्ष में जाता रहता है और प्रतिपक्ष सत्ता पक्ष में आता रहता है। पर इसका मतलब यह नहीं है कि दुश्मनी हो जाए। दरार पैदा हो जाए। दुश्मन सीमापार हो सकते हैं। देश में हमारा कोई दुश्मन नहीं हो सकता।

उप राष्ट्रपति ने कहा कि राजनीति का परिवेश असहनीय हो रहा है। बेलगाम होकर वक्तव्य दिये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्यपाल जब राज्य में होता है, तो उस पर आसानी से वार किया जा सकता है। राज्य की सरकार यदि केंद्र की सरकार के अनुरूप नहीं है तो आरोप लगना बहुत आसान हो जाता है। समय के साथ बदलाव आया और उपराष्ट्रपति भी इसमें जुड़ गया और राष्ट्रपति को भी इस दायरे में ले लिया गया है। उन्होंने कहा, यह चिंतन, चिंता और दर्शन का विषय है। ऐसा मेरी दृष्टि में होना उचित नहीं है। श्री धनखड़ ने कहा कि प्रतिपक्ष का बहुत बड़ा योगदान रहता है और प्रतिपक्ष विरोधी पक्ष नहीं है। यह प्रजातंत्र में आवश्यकता है। उन्होंने कहा, अभिव्यक्ति हो, वाद-विवाद हो, संवाद हो। वैदिक तरीके से, जिसको अनंतवाद कहते हैं। अभिव्यक्ति बहुत महत्वपूर्ण है और प्रजातंत्र की जान है।

उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति कुंठित होती है या उस पर कोई प्रभाव डाला जाता है या अभिव्यक्ति इस स्तर पर पहुँच जाती है कि दूसरे के मत का कोई मतलब नहीं है, तो अभिव्यक्ति अपना अस्तित्व खो देती है। अभिव्यक्ति को सार्थक करने के लिए वाद-विवाद को जरूरी करार देते हुए श्री धनखड़ ने कहा कि दूसरे के मत को सुनना अभिव्यक्ति को ताकत देता है। सत्या, संतोष खोजने की अपील की। उन्होंने कहा कि उन्हें उन दवाओं के विकल्प भी तलाशने चाहिए जिनके दुष्प्रभाव न केवल जानवरों बल्कि मनुष्यों और पर्यावरण को भी प्रभावित करते हैं।

इस्पात उभरते भारत का आधार है :मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुनियादी ढांचे और रक्षा क्षेत्र से लेकर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी तथा स्वच्छ ऊर्जा तक इस्पात को उभरते भारत का आधार बताया है और कहा है कि नीतिगत प्रोत्साहन तथा नवाचार से देश वैश्विक इस्पात क्षेत्र में अलग पहचान बना रहा है। श्री मोदी ने सोमवार को सोशल मीडिया पर केन्द्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी का एक लेख साझा करते हुए कहा कि इसमें बताया गया है कि नीतिगत प्रोत्साहन और नवाचार किस प्रकार से भारत को वैश्विक इस्पात क्षेत्र में अग्रणी बनाने का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा , बुनियादी ढांचे और रक्षा से लेकर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और स्वच्छ ऊर्जा तक, इस्पात उभरते भारत का आधार है। केंद्रीय मंत्री श्री एच.डी. कुमारस्वामी ने अपने लेख में बताया है कि कैसे नीतिगत प्रोत्साहन और नवाचार भारत को वैश्विक रूप से इस्पात क्षेत्र में अग्रणी बनाने की यात्रा को आकार दे रहे हैं।

तेलंगाना में रसायन फैक्ट्री में विस्फोट, छह की मौत, 20 घायल

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना में संगारेड्डी जिले में सोमवार सुबह एक केमिकल फैक्ट्री के रिएक्टर में विस्फोट होने से छह लोगों की मौत हो गयी और 20 अन्य घायल हुए हैं। इनमें से कुछ की हालत नाजुक है।

पुलिस ने बताया कि विस्फोट सिगाची इंडस्ट्रीज में हुआ। विस्फोट के कारण फैक्ट्री के कुछ हिस्सों में भीषण आग लग गयी। आग लगने की सूचना मिलने पर दमकल की 11 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। विस्फोट इतना जोरदार था कि कुछ कर्मचारी 100 मीटर दूर जाकर गिरे।

फैक्ट्री प्रबंधन ने बताया कि घटना के समय करीब 30 कर्मचारी ड्यूटी पर थे। इस घटना में पांच श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई और एक अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ा। विस्फोट से फैक्ट्री के निर्माण और प्रशासनिक भवनों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। घायलों को इलाज के लिए तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों ने आशंका जतायी है कि घायलों की हालत को देखते हुए मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है। विस्फोट के बाद फैले रासायनिक धुएं को देखते हुए पुलिस ने एहतियात के तौर पर आसपास के इलाकों को खाली करा दिया। संगारेड्डी कलेक्टर प्रवीण्या और पुलिस अधीक्षक परितोष घटनास्थल पर राहत एवं बचाव कार्यों की व्यक्तिगत रूप से निगरानी कर रहे हैं।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने इस त्रासदी पर गहरा दुख व्यक्त किया और अधिकारियों को सभी आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा देने लिए अधिकारियों को निर्देश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा कोलकाता गैंगरेप का मामला, CBI जांच की उठाई गई मांग

एजेंसी

नई दिल्ली । कोलकाता गैंगरेप केस में सुप्रीम कोर्ट के वकील सत्यम सिंह ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखा है। अपने पत्र में उन्होंने इस मामले की सीबीआई जांच की मांग की है। साथ ही, उन जनप्रतिनिधियों के खिलाफ भी कार्रवाई करने की मांग की गई है, जो इस मामले को लेकर विवादित टिप्पणी कर रहे हैं। वकील सत्यम सिंह ने अपने पत्र में पीड़िता को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और उसके परिजनों को सुरक्षा देने की मांग की है।

इसके अलावा, शैक्षणिक संस्थानों में व्यापक सुरक्षा उपाय, जिनमें अनिवार्य सीसीटीवी निगरानी, महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ और नियमित सुरक्षा ऑडिट शामिल हैं, की मांग की गई है। वहीं, वकील ने अपने पत्र में पश्चिम बंगाल में यौन अपराधों के खिलाफ कानूनों को मजबूत करने के लिए अपराजिता विधेयक को तुरंत लागू किए जाने की मांग की है।

याचिका में पश्चिम बंगाल में पेशेवरों, खासकर महिला वकीलों के खिलाफ हिंसा रोकने के लिए सीबीआई जांच, सुरक्षा प्रोटोकॉल और संस्थागत सुधारों की मांग की गई है। याचिका में पीड़िता के लिए

न्याय के साथ-साथ कानूनी बिरादरी की सुरक्षा और न्यायिक व्यवस्था की अखंडता सुनिश्चित करने की भी मांग की गई है। 25 जून को कोलकाता के लॉ कॉलेज में एक स्टूडेंट के साथ गैंगरेप किया गया था। इसमें तीन आरोपी शामिल थे। तीनों ही छात्र इसी कॉलेज के थे। इनमें इसमें एक आरोपी कॉलेज का पूर्व छात्र है, जो टीएमसी से जुड़ा बताया जा रहा है, जिसे लेकर भाजपा टीएमसी पर हमलावर है। हालांकि, पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना को लेकर देशभर में आक्रोश है। सभी आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। इस बीच, टीएमसी नेता कल्याण बनर्जी और मदन मित्रा ने इस सामूहिक दुष्कर्म मामले में विवादित टिप्पणी की है। कल्याण बनर्जी ने कहा था, अगर दोस्त ही दोस्त का रेप करे, तो क्या किया जा सकता है? क्या स्कूलों और कॉलेजों में हर जगह पुलिस तैनात की जा सकती है?÷ मदन मित्रा ने भी इस मामले में विवादित टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि अगर पीड़िता किसी को सूचित करती या दोस्तों को साथ ले जाती, तो यह टल सकता था। वहीं, इस संवेदनशील मामले में विवादित टिप्पणी करके मदन मित्रा मुश्किलों में घिर गए हैं। ममता बनर्जी ने उन्हें इस मामले में कारण बताओ नोटिस जारी करके तीन दिन में जवाब तलब किया है।

बिहार में 2003 की मतदाता सूची के 4.96 करोड़ मतदाताओं को सबूत देने की जरूरत नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने बिहार में मतदाता सूचियों की विशेष गहन समीक्षा के लिए वर्ष 2003 की मतदाता सूची को आधार बनाया है और उसमें शामिल 4.96 करोड़ मतदाताओं को समीक्षा के दौरान अपनी पहचान के सबूत के तौर पर कोई दस्तावेज जमा कराने की आवश्यकता नहीं होगी।

चुनाव आयोग ने सोमवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि वर्ष 2003 की मतदाता सूची उसकी वेबसाइट पर अपलोड की गयी है जिसमें 4.96 करोड़ मतदाताओं के विवरण शामिल हैं। आयोग ने कहा कि इस सूची के मतदाताओं को समीक्षा के दौरान कोई दस्तावेज नहीं देना होगा तथा इनके बच्चों को अपने

माता-पिता से संबंधित कोई दस्तावेज जमा कराने की भी जरूरत नहीं है। आयोग ने वहां इस वर्ष होने जा रहे राज्य विधान सभा चुनावों से पहले बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) को घर-घर भेज कर सूचियों की विशेष गहन समीक्षा कराने का अभियान शुरू किया है।

आयोग ने गत सप्ताह मंगलवार 24 जून के आयोग के निर्देशों के पैरा 5 में उल्लेख किया गया था कि सीई ओ/डीई ओ/ई आर ओ 01.01.2003 की अर्हता तिथि वाली मतदाता सूची को सभी बीएलओ को हार्ड कॉपी में स्वतंत्र रूप से उपलब्ध कराएंगे, साथ ही अपनी वेबसाइट पर ऑनलाइन भी उपलब्ध कराएंगे, ताकि कोई भी व्यक्ति इसे डाउनलोड कर सके और अपना गणना फॉर्म जमा करते समय दस्तावेजी साक्ष्य के रूप में उपयोग कर सके। आयोग का कहना है,वर्ष 2003 की मतदाता सूची सामने होने से विशेष गहन पुनरीक्षण में काफी सुविधा होगी क्योंकि अब कुल मतदाताओं में से लगभग 60 प्रतिशत को कोई दस्तावेज जमा नहीं करना होगा। उन्हें केवल नामावली में वर्ष 2003 की मतदाता सूची से अपने विवरण को सत्यापित करना होगा और भरा हुआ गणना फॉर्म जमा करना होगा।

मतदाता और बीएलओ दोनों ही इन विवरणों तक आसानी से पहुँच सकेंगे। आयोग के निर्देशों के अनुसार,कोई भी व्यक्ति जिसका नाम वर्ष 2003 की बिहार मतदाता सूची में नहीं है, वह अभी भी अपने माता या पिता के लिए कोई अन्य दस्तावेज प्रदान करने के बजाय वर्ष 2003 की मतदाता सूची के संबंधित हिस्से (अंश) का उपयोग कर सकता है।

अगर हिंदी थोपने के फैसले को वापस नहीं लेती सरकार तो 5 जुलाई को दिखती एकता : उद्धव ठाकरे

एजेंसी

मुंबई । महाराष्ट्र सरकार की त्रिभाषी नीति को वापस लिए जाने पर शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे का बयान आया है। उन्होंने कहा कि अगर हिंदी थोपने वाला सरकारी आदेश वापस नहीं किया गया होता, तो 5 जुलाई की रैली में भाजपा, शिंदे गुट और अजित पवार गुट के लोग भी शामिल होते। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने सोमवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, 'रविवार को, 'जय महाराष्ट्र' का नारा हर जगह गूंज उठा। सभी दल जो दलीय मतभेदों को भूलकर शिवसेना के साथ आए। अगर हिंदी थोपने वाला आदेश वापस नहीं लिया गया होता, तो भाजपा, शिंदे गुट और अजीत पवार गुट के लोग भी 5 जुलाई की रैली में शामिल होते। मातृभाषा के प्रति प्रेम किसी भी पार्टी से ऊपर होना चाहिए। उन्होंने कहा, नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है। सरकार को

इसका मजाक नहीं उड़ाना चाहिए। एक अर्थशास्त्री को शिक्षा समिति में रखा गया है। मैं इतना ही कहूंगा कि अब सरकार को हिंदी को जबरन थोपने के लिए कोई और कदम नहीं उठाना चाहिए।

पुरी भगदड़ पर मांझी इस्तीफा दें, घटना की हो न्यायिक जांच: कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पुरी में भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा भगदड़ में श्रद्धालुओं के हताहत होने को अत्यंत गंभीर घटना बताते हुए मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी से इस्तीफा देने की मांग करते हुए कहा है कि घटना की न्यायिक जांच होनी चाहिए। कांग्रेस सांसद सप्तगिरि उलाका तथा पार्टी नेता अरविंदा दास ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में इसे राज्य की भाजपा सरकार के कुप्रबंधन का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि इस पवित्र कार्यक्रम में वीआईपी पर ध्यान केंद्रित करने के कारण उससे जो चूक हुई है, उसके लिए भाजपा सरकार प्रभु जगन्नाथ से माफी मांगे और आश्वासन दे कि भविष्य में इस तरह की चूक नहीं होगी। सरकारी तंत्र सिर्फ वीआईपी की सेवा में नहीं रहेगा और प्रभु के आम भक्तों की सुरक्षा पर भी सतर्क रहेगा। उन्होंने भगदड़ की घटना के लिए मुख्यमंत्री तथा उपमुख्यमंत्री को जिम्मेदार बताते हुए इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि घटना में कितने लोगों की मृत्यु हुई। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 50-50 लाख रुपए की मदद करने करने और गंभीर रुप से घायलों को 25-25 लाख रुपए की सहायता देने की भी मांग की है। उन्होंने रथ यात्रा में कुप्रबंधन के कारण इस तरह की घटनाओं को शर्मनाक बताया और कहा कि यह सुनिश्चित होना चाहिए कि आगे से इस तरह की घटनाएं नहीं हों। उनका कहना था कि पिछले साल 'प्रभु बलभद्र' जी की मूर्ति भी गिरा दी गई थी। तब सरकार ने कहा था कि इस मामले की जांच की जाएगी लेकिन आज तक इसमें कुछ सामने नहीं आया है। असलियत यह है कि भाजपा सरकार ने रथ यात्रा को 'इवेंट मैनेजमेंट' में बदल दिया है जिसके कारण यह गंभीर चूक हुई है। घटना की जवाबदेही तय होनी चाहिए।कांग्रेस नेताओं ने कहा कि ओडिशा के बाहर से भी बड़ी संख्या में लोग इस क्षेत्र में आने लगे हैं और उन्हें वीआईपी ट्रीटमेंट दिया जा रहा है।

ट्रक चालकों की हत्या में शामिल एक लाख का इनामी बदमाश मुठभेड़ में ढेर

एजेंसी

नई दिल्ली। बागपत में उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की नोएडा यूनिट और बागपत पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में रविवार रात बागपत के थाना कोतवाली क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में एक लाख का इनामी बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। उसे तत्काल उपचार के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक बदमाश की पहचान संदीप (35) निवासी भैणी महाराजगंज थाना महम जिला रोहतक हरियाणा के रूप में हुई है। आरोपी इस वर्ष कानपुर के पनकी थाना क्षेत्र में ट्रक से चार करोड़ रुपए का सामान निकल प्लेट (स्टील की धातु) लूट के मामले वांछित चल रहा था। इस सनसनीखेज वारदात के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस ने उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। एसटीएफ नोएडा यूनिट के अपर पुलिस अधीक्षक राज कुमार मिश्र ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर चेकिन के दौरान आरोपी को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया था। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि संदीप एक शातिर हाईवे लुटेरा था। वह अब तक चार से अधिक ट्रक ड्राइवर्स की हत्या कर करोड़ों रुपये के माल से लदे ट्रक लूट चुका है।

'इसे चाकू मार दो' : बेटे को डांट रहा था पिता, दोस्त के कहने पर कर दिया कत्ल, फिर खुद लेकर पहुंचा अस्पताल

नई दिल्ली। सागरपुर इलाके में बात मानने से इनकार करने पर एक पिता ने अपने 10 साल के बेटे की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। चाकू मारने के बाद आरोपी घायल बेटे को लेकर खुद ही अस्पताल पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि सागरपुर थाना पुलिस को घटना के बारे में जानकारी मिली। दादा देव अस्पताल पहुंची पुलिस को पता चला कि बच्चे को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया है। मृतक की शिनाख्त 10 साल के शिवा के रूप में हुई। जांच में पता चला कि शिवा अपने पिता ए रॉय पेंटर का काम करते हैं। वहीं, बहन घरेलू सहायिका है। कुछ साल पहले उसकी मां की मौत हो गई थी। परिवार मूलतः असम का रहने वाला है। रविवार को बारिश हो रही थी। शिवा के पिता अपने एक दोस्त के साथ घर पहुंचे। आरोप है कि आरोपी पिता नशे में था। जिस समय वह घर पहुंचा, शिवा बारिश में भीग रहा था और घर के बाहर उछल-कूद कर रहा था। पिता ने उसे घर आने के लिए कहा, लेकिन शिवा उनकी बातों को अनसुना कर दिया।

फैक्टरी की छत से गिरकर मजदूर की मौत, रात में साथियों के साथ, सोने गया शिवम

एजेंसी

नई दिल्ली। ट्रॉनिका सिटी थाना क्षेत्र के औद्योगिक क्षेत्र सेक्टर-डी एक स्थित धागा बनाने की फैक्टरी की छत से गिरने पर शनिवार रात मजदूर शिवम तिवारी (24) की मौत हो गई। मजदूर अन्य साथियों के साथ सोने के लिए फैक्टरी की छत पर गया था। सुबह मजदूर फैक्टरी के बराबर में जमीन पर पड़ा हुआ मिला। परिजनों ने मामले में हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस से शिकायत की है। मूलरूप से इटावा के भरथना थाना क्षेत्र में रहने वाले शिवम तिवारी ट्रॉनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र स्थित धागा बनाने की फैक्टरी में काम करते थे। वह फैक्टरी में रहते थे। उनकी चाची रंजना ने बताया कि उन्हें सूचना दी गई कि उनके भतीजे शिवम तिवारी का एक्सीडेंट हो गया है। सूचना पाकर वह मौके पर पहुंची। मौके पर आकर पता चला कि शिवम तिवारी की छत से गिरने पर मौत हुई है। आरोप है कि जिस फैक्टरी से गिरने पर उनके भतीजे की मौत हुई है, उस फैक्टरी से हटा कर उनके भतीजे के शव को दूसरी फैक्टरी में लाया गया है। उन्होंने मामले की शिकायत स्थानीय पुलिस से की है।उन्होंने मांग की है कि उनके भतीजे को अगर किसी ने मारा है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने मामले में पुलिस को शिकायत दी है। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि शिवम की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मौत के कारण का पता चलेगा।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बरसे बदरा, तपती गर्मी से लोगों को मिली राहत

नई दिल्ली। गुरुग्राम, नोएडा समेत दिल्ली एनसीआर के कई इलाकों में आज फिर बारिश देखने को मिली। इस पहले शनिवार दोपहर को दिल्ली-एनसीआर के कुछ क्षेत्रों में हुई बारिश ने लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत दिलाई है। इससे पारा भी सामान्य से नीचे चला गया। दोपहर तक खिली धूप के कारण लोग गर्मी से परेशान थे। दोपहर बाद काले बादल छा गए, जिसके बाद कई इलाकों में बारिश शुरू हो गई। मौसम विभाग ने रविवार के लिए यलो अलर्ट जारी किया था। साथ ही उम्मीद जताई है कि दो जुलाई तक दिल्ली में बारिश हो सकती है। गुरुग्राम में रुक-रुक कर हो रही बारिश ने उमस से काफी राहत मिली है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक और बारिश होने की संभावना जताई है। लगातार हो रही बारिश के चलते शहर का मौसम सुहावना हो गया है और तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली है। जिससे वातावरण में ठंडक बनी हुई है।

दिल्ली हाट आईएनए अग्निकांड में प्रभावित शिल्पकारों के लिए पांच-पांच लाख रुपये की राहत की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने आज दिल्ली हाट आईएनए अग्निकांड में प्रभावित शिल्पकारों के लिए पांच-पांच लाख रुपये की राहत की घोषणा की है।

पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने बताया कि 30 अप्रैल की देर शाम दिल्ली हाट आईएनए में आग लगने की घटना में 24 स्टॉल जलकर पूरी तरह नष्ट हो गए। इस घटना के बाद मुख्यमंत्री, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा प्रत्येक प्रभावित शिल्पकार को पांच-पांच लाख रुपये की राहत राशि देने की घोषणा की गई है। कपिल मिश्रा ने बताया कि पांच-पांच लाख रुपये की अनुग्रह राहत राशि को मंजूरी दी जा चुकी है और कुल 1 करोड़ 20 लाख रुपये की राशि 24 प्रभावित शिल्पकारों को प्रदान की जाएगी।

इसके अतिरिक्त कपिल मिश्रा ने और सहायता की घोषणा करते हुए बताया कि आग की घटना में जिन 24 शिल्पकारों के स्टॉल नष्ट हुए हैं, उन्हें 1 जुलाई 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक की अवधि के लिए दिल्ली हाट आईएनए में छह महीने के लिए निःशुल्क स्टॉल आवंटित किए जाएंगे। यह आवंटन लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। कपिल मिश्रा ने आगे कहा कि हमारी सरकार शिल्पकारों के हितों की रक्षा और उन्हें आवश्यक सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

राजद नेता चंद्रशेखर यादव का आरोप, 'मतदाताओं को वोटर लिस्ट से निकालने की रची जा रही साजिश'

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग द्वारा शुरू किए गए वोटर लिस्ट मेगा वेरिफिकेशन अभियान पर विपक्षी दलों ने संदेह व्यक्त किया है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और इंडिया ब्लॉक के नेता इसे गरीब, दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक मतदाताओं को मतदाता सूची से हटाने की साजिश करार दे रहे हैं। चंद्रशेखर यादव ने इसे लोकतंत्र पर हमला बताया है। राजद नेता चंद्रशेखर यादव ने समाचार एजेंसी से बातचीत की। उन्होंने कहा, कम समय में इतने बड़े पैमाने पर वेरिफिकेशन संभव नहीं है, जिससे लाखों लोग प्रभावित हो सकते हैं। एक जून तक सत्यापन पूरा हो जाने के बाद, उन्हें अचानक गहन पुनः सत्यापन की आवश्यकता महसूस हुई। उन्हें एहसास हुआ कि उनकी घृणास्पद, सांप्रदायिक रणनीति अब समाज को धोखा नहीं दे रही है। बिहार हमेशा से बदलाव की भूमि रहा है और हमेशा नफरत के खिलाफ खड़ा रहा है। इसे देखते हुए, उन्होंने लगातार सर्वेक्षण करना शुरू कर दिया। इसमें संघ और भाजपा दोनों शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जब तेजस्वी प्रसाद यादव जैसे युवा नेता गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई जैसे मूल मुद्दों पर लोगों तक पहुंचते हैं, तो उनके लिए जनता का समर्थन बढ़ता है। इससे नफरत फैलाने वाली ताकतें घबरा गई हैं, और उन्हें अपनी जमीन खोने का डर सता रहा है।

कपिल मिश्रा ने प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को किसानों के साथ सुना

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा ने आज त्यागराज स्टेडियम में किसानों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात को सुना। यह जानकारी उन्होंने एक्स पर साझा की। उन्होंने पोस्ट करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री ने चिरंजीवी योग परंपरा, आपातकाल की चेतावनी, पेड़ लगाने के संकल्प जैसे अलग-अलग विषयों पर राष्ट्र से संवाद किया। प्रधानमंत्री के सुंदर विचारों को सुनना, गुनना और जीवन में उतारना यही संकल्प सम्पूर्ण राष्ट्र का है ताकि जीवन को हर मायने में विस्तार मिल सके।

इसके अलावा उन्होंने बताया कि दिल्ली पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय आम महोत्सव का उद्घाटन मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया था। इससे पहले आज कपिल मिश्रा

ने अपनी विधानसभा क्षेत्र करावल नगर की अपनी जनता जनार्दन से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने हर एक व्यक्ति की बात को गंभीरता से सुनकर तुरंत समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि करावल नगर के हर परिवार, हर मोहल्ले का सुख-दुख उनका अपना है और इसी अपनापन से वो हमेशा आपके बीच खड़े मिलेंगे।

युवक ने फंदा लगाकर की खुदकुशी

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के वसंतकुंज नॉर्थ स्थित मसूदपुर गांव में शनिवार शाम एक युवक ने फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतक की शिनाख्त गांव पिलशी, बदायूं, उत्तर प्रदेश निवासी उदयभान (23) के रूप में हुई है। फिलहाल पुलिस को मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

उसका भाई काम से लौटा तो उसने देखा कि भाई पंखे पर मफलर के सहारे फंदे से लटका है। उसने मामले की सूचना पुलिस को दी। खबर मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। युवक को फंदे से उतारकर सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद उदयभान का शव परिवार के हवाले कर दिया है। पुलिस उसके परिजनों से पूछताछ कर आत्महत्या की वजहों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

पुलिस ने उसका मोबाइल कब्जे में ले लिया है।

क्राइम टीम के अलावा एफएसएल ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि उदयभान करीब 45-50 दिन पूर्व काम की तलाश में अपने बड़े भाई हेतराम (27) के पास मसूदपुर गांव में आया था। मसूदपुर में ही मेट्रो का निर्माण कार्य चल रहा है। भाई ने उसे यहां काम दिलवा दिया था। फिलहाल उसकी रात की शिफ्ट चल रही थी। भाई काम पर चला गया। इस बीच उदयभान घर में मौजूद था। शाम को जब भाई वापस लौटा तो उसने भाई को फंदे से लटका देखा। उदयभान ने ऐसा कदम क्यों उठाया परिजन भी इसको लेकर परेशान हैं। परिवार का दावा है कि उदयभान बिल्कुल ठीक-ठाक था। अब ऐसा क्या हुआ कि उसने मौत को गले लगा लिया, इसकी जांच की जा रही है।

झुग्गियां तोड़ने के विरोध में आआपा का प्रदर्शन, भाजपा ने बताया फ्लॉप, कांग्रेस बोली- घड़ियाली आंसू बहा रही आआपा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में झुग्गियां तोड़ने के विरोध में आम आदमी पार्टी (आआपा) ने जंतर-मंतर पर घर-रोजगार बचाओ आंदोलन के तहत जनसभा का आयोजन किया। इस प्रदर्शन में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी, सांसद संजय सिंह, दिल्ली संयोजक सौरभ भारद्वाज समेत पार्टी के अन्य बड़े नेता मौजूद रहे।

जनसभा को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले मैंने चेतावनी दी थी कि अगर भाजपा सत्ता में आई, तो एक साल के भीतर झुग्गियां उजाड़ दी जाएंगी। लेकिन इन लोगों ने तो 2-3 महीनों में ही झुग्गियों को तोड़ डाला और गरीबों के सिर से छत छीन ली। केजरीवाल ने दावा किया कि दिल्ली में 40 लाख से ज्यादा झुग्गीवासी हैं और अब वे सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेंगे।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, अगर झुग्गियां तोड़ना बंद नहीं किया गया, तो सत्ता का सिंहासन डोलने में देर नहीं लगेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए केजरीवाल ने कहा, मोदी जी ने वादा किया था - जहां झुग्गी, वहां मकान, लेकिन हकीकत में हुआ - जहां झुग्गी, वहां मैदान। ये गरीबों के घर उजाड़कर मैदान बना रहे हैं। केजरीवाल ने कांग्रेस को भी आड़े हाथों लेते हुए कहा, कांग्रेस के शासन में भी झुग्गियां तोड़ी गईं। जब पांडव नगर की झुग्गियां तोड़ी जा रही थीं, तब मैंने और मनीष सिसोदिया ने विरोध किया था। ये पार्टियां केवल अमीरों के लिए काम करती हैं, गरीबों के लिए नहीं।वहीं, प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने सोशल मीडिया पर लिखा, आआपा की जनसभा पूरी तरह फ्लॉप रही। उनके नेताओं की भाषा फिर अराजक और असंवैधानिक रही। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने भी आआपा और भाजपा पर एक साथ निशाना साधते हुए कहा, भाजपा और आआपा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। दोनों की नीतियां गरीब विरोधी हैं। आज जब बस्तियां उजाड़ी जा रही हैं, तब आआपा घड़ियाली आंसू बहा रही है। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि भाजपा और आआपा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। आज गरीबों की बस्तियां को उजाड़ने का काम हो रहा है, तो आआपा घड़ियाली आंसू बहा रही है।

अवैध सिगरेट का गोदाम पकड़ा, 94 हजार पैकेट जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिले की ऑपरेशंस सेल टीम ने एक बड़े ऑपरेशन को अंजाम देते हुए वसंत कुंज के नंगल देवत इलाके में स्थित एक अवैध सिगरेट के गोदाम का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से 94,000 पैकेट बिना वैधानिक चेतावनी और एमआरपी के विदेशी सिगरेट जब्त की हैं। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान वसंत कुंज निवासी परिक्षित (22) और कर्नाटक निवासी पी.पी. चेंगप्पा (40) के रूप में हुई है। दक्षिण-पश्चिम जिले के डीसीपी अमित गोयल के अनुसार जिले की पुलिस द्वारा तंबाकू उत्पादों के अवैध व्यापार के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में ऑपरेशंस सेल की टीम को सूचना मिली कि नंगल देवत क्षेत्र में एक मकान के बेसमेंट में विदेशी सिगरेट का अवैध स्टॉक जमा किया गया है, जो दिल्ली-एनसीआर और दक्षिण भारत में सप्लाई की जानी है। पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए छापा मारा और उपरोक्त दोनों आरोपितों को मौके से गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान भारी मात्रा में विदेशी सिगरेट जब्त की गई। बरामद सिगरेट में एलएंडबी ओरिजिनल सिल्वर - 13 कार्टन (13,000 पैकेट), किंग साइज मेफेयर 5 कार्टन (5,000 पैकेट), रिचमंड किंग साइज रियल ब्लू - 50 कार्टन (50,000 पैकेट) और रिचमंड किंग साइज - 26 कार्टन (26,000 पैकेट) शामिल है। डीसीपी के अनुसार जांच में पता चला है कि पकड़ा गया आरोपित परिक्षित वसंत कुंज का रहने वाला है। उसके पिता एयरपोर्ट पर इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट का काम करते हैं। परिक्षित ने पहले अपने पिता से काम सीखा और बाद में स्वतंत्र रूप से कारोबार करने लगा।

ग्रेटर नोएडा में कॉलेज के बाहर तीन कारों से खतरनाक स्टंट, भाजपा झंडा लगी गाड़ी भी शामिल

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क स्थित जीएल बजाज कॉलेज के बाहर तीन कारों से स्टंट का खतरनाक वीडियो सामने आया है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जिसमें युवा चालक सड़क पर तेजी से कार चलाते हुए जानलेवा स्टंट करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में खास बात यह है कि एक ब्रेजा कार पर भाजपा का झंडा लगा हुआ साफ दिखाई दे रहा है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि ब्रेजा कार का चालक तेज रफ्तार में ओवरटेक करता है और फिर अचानक ब्रेक लगाकर वाहन को रोकता है। इसी दौरान ब्रेजा में सवार एक युवक खिड़की से बाहर निकलकर हाथ लहराता हुआ दिखता है। दूसरी कार जो बलेनो है। उसमें बैठा एक युवक खिड़की से डंडा बाहर निकालकर लहराता हुआ नजर आता है। तीसरी कार को चालक जिगजैग तरीके से सड़क पर चला रहा है, जिससे अन्य वाहन चालकों की जान को खतरे में डाला गया। बताया जा रहा है कि यह वीडियो इंस्टाग्राम पर रील के रूप में अपलोड किया गया है। बैकग्राउंड में तेज म्यूजिक और एक लोकप्रिय गाना भी लगाया गया है।

दिल्ली विस अध्यक्ष धर्मशाला में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक विधायक सम्मेलन में लेंगे भाग

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता धर्मशाला में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक विधायक सम्मेलन में भाग लेंगे। इसका आयोजन 30 जून एवं 1 जुलाई को किया जाएगा। यह दो दिवसीय सम्मेलन दिल्ली, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर एवं पंजाब विधानसभाओं के पीठासीन अधिकारियों एवं विधायकों को एक मंच पर लाकर विधायी सुशासन, लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व और अंतर-राज्यीय सहयोग से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श के लिए आयोजित किया जा रहा है। यह जानकारी रविवार को एक विज्ञप्ति जारी करके दी गई। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष के साथ जाने वाले प्रतिनिधिमंडल में उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, मुख्य सचेतक अभय वर्मा, विधायक शिखा राय एवं जितेंद्र महाजन, तथा दिल्ली विधान सभा के सचिव रंजीत सिंह शामिल हैं। इस सम्मेलन का उद्घाटन लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला करेंगे। सम्मेलन में संविधान विशेषज्ञों, सांसदों, विधायकों एवं वरिष्ठ संसदीय अधिकारियों की सहभागिता होगी। इसका उद्देश्य बदलते सामाजिक-राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में संसद एवं विधानसभाओं की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावशाली एवं सुदृढ़ बनाने पर संवाद को बढ़ावा देना है। सम्मेलन के मुख्य विषयों में राज्य संसाधनों के प्रबंधन में विधायिकाओं की भूमिका तथा राज्य के समग्र विकास में उनके प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करने के उपाय शामिल हैं। इस सत्र में यह चर्चा होगी कि कैसे विधायिकाएं जवाबदेह शासन सुनिश्चित कर सकती हैं, वित्तीय अनुशासन बनाए रख सकती हैं और विकास के लक्ष्यों को जनहित से जोड़ सकती हैं। एक अन्य महत्वपूर्ण विषय होगा दलबदल के आधार पर विधायकों की अयोग्यता से संबंधित संवैधानिक प्रावधान, जो संविधान के अनुच्छेद 102(2) और 191(2) के अंतर्गत दसवीं अनुसूची में वर्णित हैं। यह सत्र दलबदल विरोधी कानून की पवित्रता को बनाए रखने की वर्तमान चुनौतियों एवं पीठासीन अधिकारियों द्वारा समयबद्ध और निष्पक्ष निर्णय लेने की आवश्यकता पर केंद्रित होगा। सम्मेलन में विधायी कार्यप्रणाली में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग पर भी विशेष चर्चा होगी। प्रतिभागी यह विचार करेंगे कि कैसे एआई के माध्यम से विधायी अनुसंधान की दक्षता बढ़ाई जा सकती है, प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित किया जा सकता है और डिजिटल मंचों के माध्यम से नागरिक सहभागिता को सशक्त बनाया जा सकता है। यह विमर्श आधुनिक शासन में प्रौद्योगिकी की भूमिका को रेखांकित करता है। सम्मेलन में विजेंद्र गुप्ता दिल्ली विधानसभा द्वारा हाल ही में किए गए लोकतांत्रिक एवं तकनीकी नवीनताओं पर प्रकाश डालेंगे, और यह रेखांकित करेंगे कि जन अपेक्षाओं के अनुरूप संस्थागत ढांचे को कैसे सुदृढ़ किया जाए। उनकी सहभागिता सहकारी संघवाद और सक्रिय विधायी शासन की साझा दृष्टि को सुदृढ़ करेगी।

पिता ने गुस्से में की मासूम बेटे की हत्या, बारिश में खेलने की जिद बनी मौत की वजह

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले के सागरपुर इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां एक पिता ने बारिश में खेलने की जिद कर रहे अपने 10 वर्षीय बेटे की चाकू मारकर हत्या कर दी। घटना शनिवार दोपहर की है।

पुलिस के अनुसार, दोपहर करीब 1:30 बजे दादा देव अस्पताल से एक पीसीआर कॉल थाना सागरपुर को मिली। जिसमें बताया गया कि एक बच्चा चाकू लगने से घायल अवस्था में अस्पताल लाया गया है। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची तो पता चला कि बच्चा मृत अवस्था में था और उसे खुद उसके पिता लेकर आए थे। मृतक बच्चे की पहचान शिवम (10) के रूप में हुई है। वह अपने पिता ए रॉय (40) और तीन भाई-बहनों के साथ सागरपुर के मोहन ब्लॉक इलाके में एक छोटे से कमरे में रहता था। बच्चे की मां का निधन कुछ साल पहले हो गया था। प्राथमिक जांच में सामने आया कि बच्चा बारिश में खेलने की जिद कर रहा था। जिस पर पिता ने उसे रोका। बच्चे के बार-बार मना करने के बावजूद न मानने पर गुस्से में आकर पिता ने रसोई से चाकू उठाया और बच्चे के सीने (बाएं पसली के पास) पर वार कर दिया। घटना के बाद आरोपित पिता खुद ही घायल बच्चे को लेकर अस्पताल दौड़ा, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपित ए. रॉय को गिरफ्तार कर लिया है। घटना में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि आरोपित पिता पेशे से दिहाड़ी मजदूर है और मानसिक रूप से तनाव में था। फिलहाल पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और अन्य तथ्यों की पुष्टि की जा रही है।

पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपित ए. रॉय को गिरफ्तार कर लिया है। घटना में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद कर लिया गया है।

पर्यावरण मंत्री ने नेहरू पार्क का दौरा कर क्लीन एयर जोन बनाने की संभावना का किया अध्ययन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की वायु गुणवत्ता को बेहतर करने के लिए वैज्ञानिक उपायों की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और लोक निर्माण विभाग के मंत्री व क्षेत्रीय विधायक प्रवेश साहिब सिंह ने आज नेहरू पार्क का दौरा किया। उन्होंने यहां 'क्लीन एयर जोन' बनाने की संभावना का अध्ययन किया।

यह पहल दिल्ली का पहला 'क्लीन एयर जोन' बनने की दिशा में एक शुरुआती अध्ययन का हिस्सा है। 85 एकड़ में फैले इस पार्क को पायलट साइट के रूप में देखा जा रहा है, जहां 150 एडवांस एयर प्यूरिफायर लगाने की संभावना पर विचार किया जा रहा है। इन मशीनों को पहले आईएसबीटी, पेट्रोल पंपों और अन्य स्थानों पर टेस्ट किया गया है, जहां इन्होंने सीमित क्षेत्र में पीएम 2.5 स्तर को घटाने में अच्छे नतीजे दिए। निरीक्षण के दौरान पर्यावरण विभाग, नई दिल्ली नगर पालिका परिषद और लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। दोनों मंत्रियों ने मॉर्निंग वॉक पर आए लोगों से बातचीत भी की, जिससे फीडबैक

लेकर इस प्रस्ताव को बेहतर बनाया जा सके इस अध्ययन का उद्देश्य यह जानना है कि क्या यह तकनीक बड़े पार्कों में एक्यूआई को स्थायी रूप से कम कर सकती है और क्या इससे आम लोगों को सुरक्षित वातावरण मिल सकता है। सिरसा ने बताया कि इस तकनीक ने सीमित स्तर पर अच्छे परिणाम दिखाए हैं, अब हम जानना चाहते हैं कि क्या यह बड़े क्षेत्रों में भी काम कर सकती है। हम लोगों से पूछेंगे कि क्या यह तकनीक सही है, और उनके फीडबैक के आधार पर ही निर्णय लिया जाएगा। प्रत्येक प्रस्तावित मशीन लगभग 9 फीट ऊंची होती है और एडवांस्ड फ़िल्ट्रेशन तकनीक का उपयोग करती है जो हवा से हानिकारक पीएम 2.5 कणों को निकालती है। यदि भविष्य में यह परियोजना लागू होती है तो यह पार्क के उपयोगकर्ताओं को साल दर साल स्वच्छ हवा दे सकती है। लेकिन इसकी तैनाती पूरी तरह अध्ययन के नतीजों पर निर्भर करेगी। सिरसा ने बताया कि सरकार फिलहाल इस तकनीक की वास्तविक परिस्थितियों में फिजिबिलिटी की जांच कर रही है। अगर यह प्रभावी और व्यावहारिक साबित होती है, तो क्नॉट प्लेस, खान मार्केट और अन्य स्थानों में भी इसी तरह के ज़ोन बनाने पर विचार होगा। इन परियोजनाओं का क्रियान्वयन कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के माध्यम स किया जाएगा ताकि सरकार पर आर्थिक बोझ न आए।

कोलकाता गैंगरेप केस : भाजपा सांसद संबित पात्रा ने ममता बनर्जी का इस्तीफा मांगा

एजेंसी

नई दिल्ली । कोलकाता सामूहिक बलात्कार मामले पर सियासत तेज हो गई है। इस जघन्य घटना को लेकर भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि जिस प्रदेश में महिला मुख्यमंत्री हों, वहां इस तरह की घटनाएं होना कहीं न कहीं उनकी विफलता का प्रमाण है। भाजपा सांसद ने कहा, ÷हम (मुख्यमंत्री) ममता बनर्जी से स्पष्टीकरण नहीं मांग रहे हैं। हम उनसे माफी मांगने और इस्तीफा देने के लिए कह रहे हैं। वह जल्द से जल्द इस्तीफा सौंपें। उन्होंने कहा कि जिस राज्य में महिला मुख्यमंत्री हों, वहां महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता होनी चाहिए। इतनी असंवेदनशीलता और क्रूरता क्यों है? पीड़िता ने खुद बयान जारी किया है। अगर इसे ध्यान से पढ़ें तो एक बात साफ हो जाती है कि गैंगरेप का यह पूरा दुष्चक्र कहीं न कहीं राज्य प्रायोजित है। यह राजनीतिक दृष्टिकोण से प्रेरित एक क्रूर कृत्य है क्योंकि यह एक कॉलेज के छात्र संघ से जुड़ा है, जिसका मुख्य आरोपी मनोजीत मिश्रा है। भाजपा सांसद ने कहा कि मनोजीत मिश्रा खुद तृणमूल कांग्रेस की छात्र शाखा का सचिव रह चुका है। वह तृणमूल कांग्रेस का सदस्य है। पात्रा ने कहा कि ममता बनर्जी बलात्कार के इन सभी क्रूर मामलों को बहुत हल्के में लेती हैं। सांसद कल्याण बनर्जी के बयान को ही देख लीजिए। वह कहते हैं कि अगर दोस्त ही दोस्त का बलात्कार करे तो हम क्या कर सकते हैं? सरकार यह कह रही है कि वह कुछ नहीं कर सकती। संबित पात्रा ने शनिवार को दिल्ली में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में गेरप की पीड़िता का वह पत्र भी पढ़कर सुनाया, जिसमें उसने कहा कि उसके साथ शाम 7.30 बजे से लेकर रात 10.30 बजे तक गैंग रेप हुआ। उन्होंने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने एक कमेटी बनाई है जो मौके पर जाकर जांच करेगी। इसके सदस्य पूर्व केंद्रीय मंत्री सतपाल सिंह, मीनाक्षी लेखी और सांसद बिपलब देब तथा मनन मिश्रा हैं। यह कमेटी जल्द ही मौके का दौरा कर अपनी रिपोर्ट राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंपेगी।

संपादक की कलम से

बेलग्रेड का आंदोलन!.. भारत ठंडा-ठंडा!!

भारतीय लोकतंत्र मानो बिना पैसे का एक तमाशा बन गया है। लोगों के वोटों पर चुनकर आना और सत्ता भोग करना। फिर उन्हीं लोगों के अधिकारों और स्वतंत्रता को नष्ट कर देना। मौजूदा शासक लोगों के आंदोलनों को कुचलने का एक भी मौका नहीं छोड़ते। अपने ही लोगों से डरकर दमनकारी शक्ति का रास्ता अख्तियार करनेवाली वर्तमान सरकार को लोकतंत्र का एक अजब नमूना कहा जाना चाहिए। इस पृष्ठभूमि में लोकतंत्र के प्रति दुनिया की जागरूकता महत्वपूर्ण है। छोटे से देश बेलग्रेड में लाखों लोग अपने राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक के इस्तीफे के लिए सड़कों पर उतर आए हैं। नोवी सैड रेलवे स्टेशन पर एक शेड गिरने से हुई दुर्घटना में १६ नागरिकों की मौत हो गई। लोग निर्माण में भ्रष्टाचार को इस दुर्घटना का जिम्मेदार ठहराते हुए सड़कों पर उतर आए हैं। बेलग्रेड सर्बिया की राजधानी है। इस देश की आबादी केवल सवा तेरह लाख ही है और उनमें से कम से कम दस लाख लोग कई शहरों में सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। यह विरोध १ नवंबर २०२४ को शुरू हुआ था। इस आंदोलन ने प्रधानमंत्री मिलोस वुसेविक और परिवहन मंत्री गोरान वुसेक को इस्तीफा देने पर मजबूर कर दिया, लेकिन लोग चाहते हैं कि राष्ट्रपति वुसिक इस्तीफा दें। राष्ट्रपति वुसिक के समय में हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार बढ़ा है। वह अपने चहेते लोगों को सरकारी ठेके देते हैं और इसके खिलाफ आवाज उठानेवालों को किसी न किसी तरह से परेशान करते हैं। राष्ट्रपति वुसिक लोकतंत्र का गला घोंटकर शासन कर रहे हैं इसलिए लोग सड़कों पर उतर आए और संघर्ष शुरू कर दिया। लोगों ने सड़कें जाम कर दीं, ट्रेनें रोक दीं, स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए। नोवी सैड में सत्तारूढ़ पार्टी सर्बियाई प्रोग्रेसिव पार्टी के कार्यालय पर अंडे फेंके गए। इस विरोध का मूल नोवी सैड ट्रेन स्टेशन पर हुई दुर्घटना में निर्दोष लोगों की मौत है। भारत में ऐसे मामलों में हुक्मरानों की बेशर्मी साफ झलकती है। भ्रष्टाचार, दुर्घटनाओं और उससे होनेवाली मौतों को लेकर सरकार बेशर्मी भरा व्यवहार करती है। कश्मीर घाटी के पहलगाम में आतंकवादियों ने २६ पर्यटकों को मार डाला। देश के गृह मंत्री को इसकी जिम्मेदारी लेते हुए तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए था, लेकिन सरकार ने एक कमजोर ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल शुरू किया और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दबाव में आतंकवाद के खिलाफ युद्ध रोक दिया गया। २६ पर्यटकों के बलिदान की जिम्मेदारी किसे लेनी चाहिए? इससे पहले पुलवामा हमले में ४० सैनिकों की हत्या के बावजूद, सरकार ने न तो माफी मांगी और न ही इस मामले पर विपक्ष के विचारों को समझा। सर्बिया में एक पुल गिरने के कारण प्रधानमंत्री और परिवहन मंत्री को इस्तीफा देना पड़ा। बिहार और महाराष्ट्र में पिछले साल १७ पुल ढह गए। मावल जिले में इंद्रायणी पर एक पुल गिरने से चार लोगों की मौत हो गई। यह सब भ्रष्टाचार के कारण हुआ। जब से अश्विनी वैष्णव रेल मंत्री बने हैं, तब से भयानक रेल दुर्घटनाओं का सिलसिला चल रहा है। रेल दुर्घटनाओं में अनगिनत लोग मारे गए हैं, लेकिन देश के रेल मंत्री ने अपनी कुर्सी छोड़ने की विनम्रता और इंसानियत नहीं दिखाई। मुंबई उपनगरीय रेल दुर्घटनाओं के आंकड़े चिंताजनक हैं। २०१४ से २०२४ तक पिछले १० सालों में रेल दुर्घटनाओं में ३६,७०० लोगों की मौत हुई है। इनमें से १२,३०० शवों की पहचान भी नहीं हो पाई है। यह हकीकत भयावह है। हमारे देश में दुर्घटना के बाद लोग सड़कों पर उतर आते हैं, लेकिन फिर सब कुछ ठंडा और ठंडा पड़ जाता है। अमदाबाद एयरपोर्ट के बाहर एयर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें २४७ लोग मारे गए। यह दुर्घटना संदिग्ध है। क्या भारत सरकार में कोई ह्यमाई का लालह्ल है, जो इतने बड़े हादसे की जिम्मेदारी ले सके? इस कमनसीब लोकतंत्र को हम क्या कहें? राष्ट्रपति ट्रंप की प्रशासन की मनमानी के खिलाफ पूरे अमेरिका में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इजरायल में लोगों ने प्रधानमंत्री नेतन्याहू की युद्धोन्माद के खिलाफ आवाज उठाई है। पड़ोसी बांग्लादेश में सरकार उखाड़ दी गई। श्रीलंका में भी जनता ने विद्रोह कर दिया। म्यांमार में भी सैन्य शासन के खिलाफ विरोध और प्रदर्शन हो रहे हैं, लेकिन भारत में लोगों के आंदोलन को कुचलने के लिए पब्लिक सेफ्टी एक्ट जैसे क्रूर उपाय लागू किए जाते हैं। जब शिक्षकों, छात्रों और शिक्षित युवाओं के आंदोलन को बलपूर्वक कुचला जाता है और यही लोग फिर से आपातकाल के नाम पर गला फाड़ते हैं तो इस बात की तस्दीक हो जाती है कि भारत में लोकतंत्र का मजाक उड़ाया जा रहा है। महाराष्ट्र में अब तक १५,००० से अधिक किसान आत्महत्या कर चुके हैं। देश का आंकड़ा लाखों में है। इन आंकड़ों को देखकर प्रधानमंत्री मोदी एक दिन भी सत्ता में नहीं रह पाएंगे। भारत के गरीब लोगों की औकात अब कीड़े-मकोड़े जितनी भी नहीं रही। गरीबों को इलाज के अभाव में सड़कों और अस्पतालों की सीढ़ियों पर मरना पड़ता है।

किडनी की पथरी कैसे बनती है? जानिए 5 घरेलू आदतें जो बन सकती हैं वजह

किडनी की पथरी एक आम लेकिन बेहद तकलीफदेह समस्या है जो आजकल किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकती है. यह तब बनती है जब यूरिन (मूत्र) में मौजूद खनिज और एसिड साल्ट्स एक-दूसरे के साथ मिलकर छोटे-छोटे कण या क्रिस्टल बना लेते हैं. फिर ये धीरे-धीरे बढ़कर पत्थर का रूप ले लेते हैं. कई बार ये पथरियां खुद ही यूरिन के रास्ते बाहर निकल जाती हैं लेकिन कुछ मामलों में ये मूत्र मार्ग को ब्लॉक कर देती हैं और तेज दर्द, ब्लड पेशाब और उल्टी जैसी समस्याएं पैदा कर देती हैं.

यह धीरे-धीरे बनती है और इसकी जड़ें हमारी जीवनशैली और खानपान में होती हैं. अगर समय रहते पानी सही मात्रा में पिया जाए, संतुलित भोजन लिया जाए और शरीर की जरूरतों का ध्यान रखा जाए. तो इस तकलीफदेह स्थिति से बचा जा सकता है. कुछ छोटी-छोटी घरेलू आदतें हैं जो हम ध्यान नहीं रखते. इन्हें ध्यान में रखना इसलिए भी जरूरी है ताकि किडनी की समस्या का समय रहते पता चले और सही इलाज हो सके.

इन कारणों से किडनी में बनती है पथरी

सफदरजंग अस्पताल में नेफ्रोलॉजी विभाग में डॉ हिमांशु वर्मा ने किडनी में पथरी के कुछ कारणों के बारे में बताया है

पानी कम पीना

सबसे पहली और सबसे आम आदत है पानी कम पीना. शरीर को डिटॉक्स रखने और यूरिन को पतला रखने के लिए पर्याप्त पानी जरूरी होता है. जब शरीर में पानी की मात्रा कम हो जाती है तो यूरिन गाढ़ा होने लगता है और उसमें मौजूद खनिज आपस में चिपकने लगते हैं जिससे पथरी बनने की संभावना बढ़ जाती है.

नमकीन खाना खाना

दूसरी आदत है बार-बार नमक या बहुत ज्यादा नमकीन खाना खाना. अधिक नमक का सेवन शरीर में सोडियम की मात्रा बढ़ा देता है जिससे कैल्शियम यूरिन में ज्यादा निकलता है. यह कैल्शियम पथरी बनने में मदद करता है.

बहुत ज्यादा ऑक्सालेट युक्त चीजें खाना

तीसरी आदत है बहुत ज्यादा ऑक्सालेट युक्त चीजें जैसे पालक, चाय, चॉकलेट, बीट रूट आदि का सेवन करना. ये खाद्य पदार्थ यूरिन में ऑक्सालेट की मात्रा बढ़ा सकते हैं जो कैल्शियम के साथ मिलकर किडनी स्टोन बना सकता है.

हिन्दी को संघर्ष का नहीं, सेतु का माध्यम बनायें

ललित गर्ग

दक्षिण भारत के विभिन्न राज्यों में हिन्दी विरोध की राजनीति अब महाराष्ट्र में भी उग्र से उग्रतर हो गयी, इसी के कारण त्रिभाषा नीति को महाराष्ट्र में लगा झटका दुखद और अफसोसजनक है। आखिरकार राजनीतिक दबाव, लंबी रस्साकशी और कशमकश के बाद महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने स्कूलों में हिंदी की पढ़ाई से जुड़े मुद्दे पर यू-टर्न लेते हुए अपने कदम पीछे खींच लिए। विदित हो कि केंद्र सरकार की नीति के तहत महाराष्ट्र के स्कूलों में पहली कक्षा से हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाया जाना था। राजनीतिक आग्रहों एवं दुराग्रहों के चलते अब ऐसा नहीं हो पाएगा। मतलब, महाराष्ट्र को तीसरी भाषा के रूप में भी हिंदी मंजूर नहीं है। महाराष्ट्र में हिंदी का संकट वास्तव में एक गहरे सामाजिक-राजनीतिक विमर्श का हिस्सा है। यह केवल भाषाई नहीं, बल्कि अस्मिता, पहचान और सह-अस्तित्व से जुड़ा हुआ है। जबकि भाषा को संघर्ष का नहीं, सेतु का माध्यम बनाना चाहिए। क्योंकि जब मराठी और हिंदी एक-दूसरे की सहयोगी बनेंगी, तभी महाराष्ट्र और भारत दोनों का भविष्य उज्ज्वल होगा और तभी महाराष्ट्र राष्ट्रीयता से जुड़ते हुए समग्र विकास की ओर अग्रसर हो सकेगा।

हिन्दी को हथियार बनाकर उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने मराठी समर्थक राजनीति को इस तरह से गरमा दिया था कि सरकारी प्रयासों के हाथ-पांव फूलने लगे और अपने फैसलों पर पुनर्विचार करना पड़ा। ठाकरे बंधुओं का हिन्दी विरोधी आंदोलन दिनोंदिन उग्र होता जा रहा था। यह सच है, हर राज्य के लिए भाषा की राजनीति मायने रखती है और कोई भी पार्टी स्थानीय स्तर पर अपनी क्षेत्रीय भाषा से मुंह नहीं मोड़ सकती। यह सर्वविदित है कि महाराष्ट्र में पूर्व में एक समिति ने जब हिंदी पढ़ाने की सिफारिश की थी, तब उद्धव ठाकरे ही राज्य के मुख्यमंत्री थे। तब हिंदी का मामला बड़ा नहीं था, पर आज जब ठाकरे विपक्ष में हैं, तब यही मुद्दा सबसे अहम हो गया है। शायद यह शर्म की बात है कि जिस राज्य की राजधानी में पूरा हिंदी फिल्म उद्योग बसता है, समूचे देश की आर्थिक राजधानी होने का गौरव जिसे मिला हुआ है, जहां समूचे देश के लोगों बसे है, जिसे सांझा-संस्कृति का गौरव प्राप्त है, उस राज्य की राजनीति अब हिंदी से परहेज करती दिख रही है। आज उद्धव ठाकरे बोल रहे हैं कि देवेंद्र फडणवीस सरकार मराठी मानुष की शक्ति से हार गई, पर वे इस बात को छिपा रहे हैं कि हारी सरकार नहीं, बल्कि राष्ट्र-भाषा हिंदी हारी है, जिसने मुंबई को सपनों का शहर बनाए रखा है।

भारत विविधताओं का देश है, यहां भाषाएं न केवल संवाद का माध्यम हैं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक भी हैं। परंतु जब भाषाएं टकराव का विषय बन जाएं, तो वह केवल भाषाई संकट नहीं रह जाता, बल्कि एक सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक मुद्दा बन जाता है। ऐसा ही कुछ महाराष्ट्र में देखने को मिल रहा है, जहां हिंदी भाषा को लेकर एक अनकहा-अनचाहा-सा संघर्ष चल रहा है। महाराष्ट्र में

मराठी भाषा केवल एक भाषा नहीं, बल्कि मराठी अस्मिता का प्रतीक है। कई मराठी संगठनों और राजनीतिक दलों का यह मानना है कि हिंदी भाषा का बढ़ता वर्चस्व मराठी संस्कृति के लिए खतरा बन सकता है।

फडणवीस सरकार की ताजा घोषणा यह दर्शा रही है कि हिंदी का मुद्दा राज्य में विपक्षी दलों के हाथों का एक ताकतवर राजनीतिक हथियार बनता जा रहा था। न केवल विपक्ष के सभी दल इस मसले पर एकजुट और विधानसभा के मॉनसून सत्र को हंगामेदार बनाने पर आमादा थे, बल्कि ठाकरे बंधुओं को भी हिंदी विरोध की राजनीति की अपनी जानी-पहचानी जमीन वापस मिलती दिख रही थी। क्योंकि शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे के शुरूआती दौर में पार्टी खास तौर पर हिंदीभाषियों के विरोध के लिए जानी जाती थी। मुंबई और महाराष्ट्र में हिंदीभाषियों की निरंतर बढ़ती आबादी को शिवसेना मराठी अस्मिता के लिए खतरे के रूप में देखती थी। हालांकि बाद के दौर में, खासकर नब्बे के दशक से भाजपा के गठबंधन में शिवसेना की राजनीति भी हिंदी से हिंदू की ओर मुड़ती गई। ऐसे में निश्चित ही मराठा राजनीति से हिन्दी विरोध की उम्मीद नहीं थी। अब तक तमिलनाडु को ही हिंदी विरोध के लिए जाना जाता था, पर इधर तीखे हिंदी विरोध में कर्नाटक के साथ ही, महाराष्ट्र भी शामिल हो गया है। दुनिया की सर्वाधिक तीसरी बोली जाने वाली हिन्दी भाषा अपने ही देश में उपेक्षा एवं राजनीति की शिकार है। अब केन्द्र सरकार के साथ-साथ हिंदी समाज को ज्यादा सजग होना पड़ेगा। हिन्दी भाषी प्रांतों को अपनी राजनीतिक व आर्थिक शक्ति को इतना बल देना पड़ेगा कि कम से कम तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को अहिंदीभाषी राज्यों में स्वीकार किया जाए। क्या हिंदी प्रदेश के नेता इससे सबक लेंगे? हालांकि, जिस तरह की त्रासद भाषा-राजनीति महाराष्ट्र में हो रही है, उससे यही लगता है कि इसके लिये बनी समितियों में बैठने वाले विशेषज्ञों की राय को किनारे कर दिया जाएग और राष्ट्रीयता पर क्षेत्रीयता की जीत हासिल हो जाएगी। महाराष्ट्र में बढ़ते हिन्दीभाषियों के अनुपात को देखते हुए देर-सबेर हिन्दी को अपनाना ही लोकतांत्रिक दृष्टिकोण है। चाहे मुंबई हो या महाराष्ट्र, कुल आबादी में हिंदीभाषियों का बढ़ता अनुपात हिन्दी के पक्ष में है। 2001 की जनगणना के मुताबिक हिंदीभाषियों की संख्या मुंबई में 25.9 प्रतिशत और मराठीभाषियों की 42.9 प्रतिशत थी जो 2011 में क्रमशः 30.2 प्रतिशत और 41 प्रतिशत हो गई। महाराष्ट्र में इसी अवधि में जहां मराठीभाषी आबादी 76 प्रतिशत से 73.4 प्रतिशत पर आ गई, वहीं हिंदीभाषियों का अनुपात 7.3 प्रतिशत से बढ़कर 9.5 प्रतिशत हो गया। इसीलिये हिंदी लादने के इस फैसले ने न केवल उद्धव और राज ठाकरे को आक्रामक रूप में सामने ले आई बल्कि 20 साल बाद उद्धव और राज ठाकरे के एक मंच पर आने की खबर ने महाराष्ट्र की सियासत में हलचल मचा दी। 5 जुलाई को होने वाली हिन्दी विजय रैली पर महाराष्ट्र के लोगों की निगाहें लगी हुई हैं, क्योंकि मराठी भाषा और संस्कृति के मुद्दे पर सुर में सुर मिलाने वाले उद्धव और राज ठाकरे को सियासी हौसला मिल गया है। जिसे महाराष्ट्र की सियासत में एक नया मोड़ माना जा रहा, लेकिन साथ ही सवाल है कि उद्धव और राज ठाकरे की सियासी केमिस्ट्री कब तक बरकरार रहेगी।

हिंदी बनाम मराठी विवाद को कई बार राजनीतिक रंग भी दिया गया है। कुछ स्थानीय दलों ने हिंदी भाषी प्रवासियों, विशेषकर उत्तर प्रदेश और बिहार से आए लोगों को निशाने पर लेकर हिंदी भाषा पर परोक्ष रूप से प्रहार किया है। इससे न केवल भाषा के नाम पर लोगों में दूरी बढ़ी है, बल्कि महाराष्ट्र की समावेशी छवि को भी आघात पहुंचा है। महाराष्ट्र के कई क्षेत्रों, विशेषकर मुंबई, ठाणे, पुणे, और नासिक में बड़ी संख्या में हिंदीभाषी समुदाय निवास करता है। ये लोग महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था, व्यापार, निर्माण और सेवा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। परंतु जब इनकी भाषा को दोयम दर्जे का माना जाता है, या उनके साथ भेदभाव किया जाता है, तो यह संविधान की आत्मा ह्यएकता में अनेकताह्ल के विपरीत है। भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में हिंदी और मराठी दोनों को मान्यता प्राप्त है। हिंदी भारत की राजभाषा है और मराठी महाराष्ट्र की राजभाषा। किसी भी राज्य में भाषा का सम्मान होना चाहिए, लेकिन इसके नाम पर दूसरी भाषाओं को अपमानित करना न तो संवैधानिक है और न ही नैतिक। भाषायी सह-अस्तित्व के लिये महाराष्ट्र में मराठी को सर्वोच्च स्थान मिले, लेकिन हिंदी भाषा को भी सम्मान मिले, यह संतुलन ही स्वस्थ लोकतंत्र का आधार है। स्कूलों में मराठी, हिंदी और अंग्रेजी- तीनों भाषाओं को समुचित महत्व देकर बच्चों में बहुभाषिक दृष्टिकोण विकसित किया जा सकता है। विभिन्न राजनीतिक दल भाजपा एवं केन्द्र सरकार को घेरने के लिये जिस तरह भाषा, धर्म एवं जातियता को लेकर आक्रामक रवैया अपनाते हुए देश में अशांति, अराजकता एवं नफरत को फैला रहे रहे हैं, यह चिन्ताजनक है। महाराष्ट्र में हिन्दी का विरोध आश्चर्यकारी है। आजादी के अमृतकाल तक पहुंचने के बावजूद हिन्दी को उसका उचित स्थान न मिलना विडम्बना एवं दुर्भाग्यपूर्ण है।

क्या ये हेटस्पीच नहीं है

रविवार को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ एक रैली आयोजित की गई। इमारत-ए-शरिया फुलवारी शरीफ की ओर से आयोजित इस रैली में आरजेडी, कांग्रेस और जेडीयू समेत सभी दलों के बड़े नेताओं को बुलाया गया था। इस रैली में इंडिया गठबंधन के दल शरीक हुए। जिसमें बिहार में नेता प्रतिपक्ष राजद नेता तेजस्वी यादव के भाषण की खूब चर्चा हो रही है। तेजस्वी यादव ने कहा कि पूरब से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण हिंदुस्तान की सरजमीं का हर एक-एक इंच, हर पन्ना चीख-चीखकर इस बात की गवाही देता है कि हमारे स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई में चाहे हिंदू हो या मुसलमान, सिख हो या ईसाई सब लोगों ने इस देश की आजादी के लिए कुर्बानी देने का काम किया है। ये देश किसी के बाप का देश नहीं है। ये हम सब का देश है। वक्फ संशोधन कानून लाकर किस तरह मस्जिदों, मदरसों, कब्रगाहों की जमीन को छीनने की योजना बनाई जा रही है, इसका खुलासा तेजस्वी ने किया और इसमें जमीन के बाद वोट छीनने की चालाकी के बारे में भी जनता को आगाह किया। दरअसल चुनाव आयोग की तरफ से मतदाता सूची पुनरीक्षण का जो फैसला लिया गया है, उसमें यह आशंका बढ़ रही है कि बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम काटे जाएंगे। अगर चुनाव आयोग यह कदम पहले उठाता, तब बात दूसरी होती, लेकिन चुनाव से चंद महीने पहले ही उसे मतदाताओं की जांच की जरूरत क्यों पड़ी, पिछले साल चुनाव से पहले इस बारे में ध्यान क्यों नहीं दिया

गया, ये सारे सवाल अब उठ रहे हैं। अवैध मतदाता, बांग्लादेशी घुसपैठिए इन शब्दों की आड़ में कहीं गरीबों, पिछड़ों के वोट का अधिकार तो नहीं छीना जा रहा है, यह सवाल भी उठ रहा है, क्योंकि अपने साथ-साथ अपने माता-पिता का जन्म प्रमाणपत्र या अन्य पहचान वाले दस्तावेज जुटाना साधारण, गरीब आदमी के लिए आसान नहीं होगा। फिर चुनाव आयोग क्यों इस मुश्किल को खड़ा कर रहा है, यह विपक्ष की बड़ी आपत्ति है। जब गांधी मैदान में वक्फ संशोधन कानून के विरोध के लिए लोग जुटे तो तेजस्वी यादव ने इस बारे में भी कहा कि आपकी जमीन को छीना जा रहा है। अब भाजपा सत्ता से जाने वाली है तो हम सब के गरीब, पिछड़ा, अति पिछड़ा और दलित सब लोगों के वोट के अधिकार को छीना जा रहा है। मतदाता सूची में संशोधन के नाम पर आपके वोट के अधिकार को छीनने का प्रयास किया जा रहा है। ये बहुत बड़ी साजिश है। इसलिए आप लोग सचेत रहियेगा और ऐसा होने मत दीजिएगा। भाजपा को उम्मीद नहीं होगी कि इस मंच का इस्तेमाल अब उसके बाकी फैसलों के विरोध के लिए भी हो सकता है। हालांकि अब तो भाजपा का जो नुकसान होना है, वो हो चुका है। अब इसकी भरपाई के लिए भाजपा ने कोशिशें शुरू कर दी हैं और इस चक्कर में फिर एक गलती कर दी है। दरअसल रविवार को तेजस्वी यादव ने बड़ा ऐलान दावा किया था कि अगर उनकी सरकार बनी तो वे इस बिल को प्रदेश में लागू नहीं होने देंगे और कूड़ेदान में फेंक देंगे। इस बात को भाजपा संविधान और संसद का अपमान बता रही है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि 'अभी हाल ही में हमने भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे दुर्दांत काले अध्याय आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण किए, लेकिन बड़े दुख की बात है कि पटना के उसी गांधी मैदान में जहां आपातकाल के दौरान संविधान की रक्षा और संविधान के सम्मान के लिए जान की परवाह किए बिना लाखों लोग एकत्र हुए थे, वहां एक ऐसी रैली हुई, जिसमें इंडिया गठबंधन के सहयोगी बिहार के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि संसद के कानून को (वक्फ बोर्ड कानून) कूड़ेदान में फेंक देंगे, जबकि यह कानून (वक्फ बोर्ड कानून) दोनों सदनों से पारित है और कोर्ट में विचाराधीन है। इसका अर्थ ये हुआ कि न संसद का सम्मान न न्यायपालिका का सम्मान।' श्री त्रिवेदी यहीं नहीं रुके, उन्होंने आगे कहा कि वक्फ समाजवाद के विचार के खिलाफ है। उनका विचार संविधान को नीचा दिखाना, उसे तोड़ना है। वे गरीब मुसलमानों के साथ नहीं बल्कि उन चंद लोगों के साथ खड़े हैं जो सारी संपत्तियों पर कब्जा करना चाहते हैं। यह समाजवाद नहीं बल्कि नमाजवाद है।' अह्लरङ्घ फीं - चुनाव आयोग पर फिर सवाल चूंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अक्सर ऐसे गंभीर विषयों पर चुप लगा जाते हैं, या फिर देर से बोलते हैं और अगर बोलते हैं तो उनमें ठोस तर्कों की जगह खोखली बातें ज्यादा होती हैं, इसलिए फिलहाल सुधांशु त्रिवेदी के वक्तव्य को ही पार्टी का आधिकारिक स्टैंड कहा जाएगा। वक्फ संशोधन कानून का विरोध भाजपा की निगाह में अगर संविधान, संसद, न्यायपालिका सबका अपमान है, तो फिर तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने का जो फैसला नरेन्द्र मोदी ने लिया था, क्या उसे भी भाजपा संसद का अपमान ही कहेगी, क्योंकि कृषि विधेयक भी संसद के दोनों सदनों से पारित होकर ही कानून बने थे। लेकिन किसानों के एक साल से ज्यादा वक्त तक चले आंदोलन के बाद खुद प्रधानमंत्री मोदी ने इन्हें वापस लेने का ऐलान किया था और कहा था कि मेरी ही तपस्या में कोई कमी रही होगी। जब कृषि कानून निरस्त हो सकते हैं, तो वक्फ संशोधन कानून भी वापस लिया जा सकता है। दूसरी बात जिस तरह समाजवाद और नमाजवाद की तुक सुधांशु त्रिवेदी ने मिलाई है, क्या उसे नफरती भाषण की तरह नहीं समझा जाना चाहिए, यह बड़ा सवाल है।

अह्लरङ्घ फीं - ट्रंप और नेतन्याहू ईरान के आगे झुके लोकतंत्र में न समाजवाद पर किसी को आपत्ति करने का हक है, न किसी के नमाज पढ़ने, पूजा करने, या अपनी मर्जी के धार्मिक स्थल जाने या न जाने पर कोई सवाल उठा सकता है। लेकिन भाजपा ने जिस तरह समाजवाद नहीं बल्कि नमाजवाद है, कहा है, उसमें नमाज पढ़ने को गलत, गैरकानूनी, अनैतिक बताने की परोक्ष कोशिश भाजपा की तरफ से दिखाई दे रही है। नमाजवाद वैसे तो कोई शब्द है नहीं, न ही हो सकता है। जब हम प्रार्थनावाद, पूजावाद, हवनवाद, जपवाद नहीं कहते हैं, तो फिर नमाजवाद कैसे कह सकते हैं। लेकिन भाजपा प्रवक्ता ने इस अनर्गल शब्द के जरिए एक प्रार्थना पद्धति को अपमानित किया है, जो सरासर गलत है और इस पर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को अपना पक्ष रखना चाहिए कि क्या वह भी इससे सहमत हैं। इंडिया गठबंधन की बढ़ती ताकत से हड़बड़ाई भाजपा अपना पक्ष मजबूत करने की जगह ऐसे बयानों से और कमजोर होगी, यह बात पार्टी नेतृत्व को समझना चाहिए।

सुरक्षित हवाई यात्रा के लिए बने नयी व्यवस्था

प्रभु चावला

12 जून को 230 सवारियों वाली एयर इंडिया की उड़ान संख्या 171 ने अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरी. तीस सेकंड बाद बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर एक मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल पर गिर पड़ा. उस हादसे को रोका जा सकता था. दुर्घटना ने उस विमान की बदहाली की पोल तो खोली ही, विमानन क्षेत्र से जुड़े पूरे तंत्र में व्याप्त सड़ांध को भी उजागर कर दिया. किसी भी लोकतंत्र में ऐसे हादसे जागने का अवसर होते हैं. लेकिन भारत में ऐसा नहीं है. इसके बजाय मृतकों के शोकाकुल परिजन शवों की तसवीरों और अनुत्तरित प्रश्नों के साथ एक से दूसरे मुर्दाघर में दौड़ रहे थे. संकट के समय मदद करने के लिए कोई टीम नहीं थी. शायद ही केंद्रीय स्तर की कोई हेल्पलाइन थी, जबकि उसका होना अनिवार्य था.

एयरलाइंस द्वारा हत्या करके बच निकलने का मुख्य कारण यह है कि उनकी जिम्मेदारी तय करने के लिए कोई विनियामक नहीं है. सच तो यह है कि वह कोई हादसा नहीं था. यह दैनंदिन अक्षमता के वेश में सुनियोजित लापरवाही थी. भारत का विमानन क्षेत्र ऊंची उड़ान नहीं भर रहा, यह विनियंत्रण के स्तर पर डरे होने, कॉरपोरेट लालच और राजनीतिक उदासीनता का मिला-जुला रूप है. नतीजतन रनवे पर, हवा में और जिम्मेदार लोगों के हाथों में-सर्वत्र खून है. दो कंपनियों के नियंत्रण वाला विमानन क्षेत्र सिर्फ एयरलाइंस का संचालन नहीं कर रहा, लोगों के मुताबिक, 35,000 फीट की ऊंचाई पर यह उगाही का तंत्र चलाता है. इन दो प्रमुख एयरलाइन समूहों का भारतीय आकाश के 88.5 फीसदी हिस्से पर कब्जा है.

विमानों के किराये का नमूना देखिये : दिल्ली-चंडीगढ़ के बीच 50 मिनट की उड़ान के 8,500 रुपये, चेन्नई से कोयंबटूर के लिए 10,200 रुपये. पिछले साल इंडिगो ने 11.8 करोड़ मुसाफिरों को गंतव्य तक पहुंचाया और 7,258 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया. एयर इंडिया हिसाब-किताब के मामले में शालीनता दिखाती है, लेकिन एक बार में 470 विमानों के ऑर्डर देने का फैसला उसकी ताकत के बारे में बताता है. गो फर्स्ट के खत्म हो जाने और स्पाइसजेट की हिस्सेदारी घटकर चार फीसदी रह जाने के बाद भारतीय विमानन क्षेत्र में कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है-सिर्फ कार्टेल पूंजीवाद है. और विनियामक? जरा रुकिए, भारत में कोई विनियामक नहीं है. यहां डीजीसीए यानी नागर विमानन महानिदेशालय है. नागर विमानन के लिए डीजीसीए का होना वैसा ही है, जैसे चाकू की जगह टूथपिक हो.

भारत का तथाकथित विमानन विनियामक फंड और संसाधन की कमी के साथ राजनीतिक अंकुश से जूझ रहा है. इसमें 53 फीसदी पद खाली हैं, जबकि संसाधनों में 91 फीसदी कटौती की गयी है. नींद से जागकर 24 जून को उसने जो जांच रिपोर्ट जारी की, वह डरावने उपन्यास की तरह लगता था. उसने रिपोर्ट में व्यवहार के अयोग्य बैगेज ट्रॉली, गलत ढंग से रखे लाइफ वेस्ट्स, रखरखाव के प्रोटोकॉल की अनदेखी, लगातार होने वाली तकनीकी चूक आदि का जिक्र किया है. डीजीसीए ने इन कमियों पर क्या रुख दिखाया? उसने एक प्रेस रिलीज जारी की, अपनी पीठ थपथपायी, फिर लंबी नींद में सो गया. भारत बड़े विमानन बाजार वाला इकलौता देश है, जिसके पास वैधानिक रूप से और स्वतंत्र विनियामक नहीं है. ब्रिटेन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और पड़ोसी नेपाल तक में ऐसे स्वतंत्र निकाय हैं, जिन्हें विमानों पर उड़ान प्रतिबंध लगाने, जुमार्ना लगाने, यात्री अधिकारों को लागू करने, यहां तक कि अधिकारियों को जेल में डालने के लिए भी मंत्रियों से अनुमति लेने की जरूरत नहीं पड़ती. अमेरिका के संघीय विमानन प्राधिकरण (एफएए) में 45,000 कर्मचारी हैं और उसका 20 अरब डॉलर का सालाना बजट है. भारत में डीजीसीए समय पर हादसे की रिपोर्ट जारी कर दे, तो यही बहुत है.

दूसरे देशों में विमान दुर्घटनाओं के बाद सुधार लागू होते हैं. वर्ष 2008 के स्पेनएयर हादसे के बाद यूरोपीय संघ ने सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया. वर्ष 2018-19 में 737 मैक्स हादसे के बाद एफएए ने बोइंग जेट्स पर 20 महीने का उड़ान प्रतिबंध लगाने के साथ बदलाव भी किये. वर्ष 2023 में विमान के इंजनों का मुद्दा सामने आने के बाद ऑस्ट्रेलिया का सीएएसए हरकत में आया. जापान में इसी साल टोक्यो के रनवे में हुई टक्कर के तुरंत बाद जेटीएसबी सक्रिय हो गया. अपने यहां अहमदाबाद विमान हादसे के दो सप्ताह बाद तक डीजीसीए चुप रहा. भारतीय विमानन क्षेत्र में सिर्फ फेयर मीटर ही तेज दौड़ता है. हां, हमारे यहां एयरपोर्ट क्वालिटी के लिए विनियामक है, क्योंकि रनवे के टाइल्स यात्रियों के जीवन से ज्यादा महत्व रखते हैं. विगत मार्च में कोलकाता से दिल्ली जा रही इंडिगो की एक उड़ान को खराब मौसम के कारण जब जयपुर में उतारा गया,

तो एक यात्री प्रिया शर्मा अपने पिता के अंतिम संस्कार में उपस्थित नहीं हो सकी.

उत्तरी इराक में दो आतंकवादी को किया ढेर

एजेंसी

बगदाद। उत्तरी इराक में एक सैन्य अभियान के दौरान इस्लामिक स्टेट (आईएस) के दो आतंकवादी मारे गये। इराकी आतंकवाद निरोधी सेवा ने एक बयान में कहा कि खुफिया रिपोर्टों पर कार्रवाई करते हुये आतंकवाद निरोधी बलों ने किरकुक प्रांत के बीहड़ इलाके में आतंकवादियों पर घात लगाकर हमला किया जिसमें दो आतंकवादी मारे गये। आतंकवाद निरोधी सेवा ने कहा कि वह इराक के हर कोने से आतंकवाद का मुकाबला करना जारी रखेगी। गौरतलब है कि इराक ने वर्ष 2017 में आईएस पर जीत की घोषणा की थी] लेकिन आईएस समूह शहरी क्षेत्रों, रेगिस्तान और दूरदराज के क्षेत्रों में सुरक्षा बलों और नागरिकों के खिलाफ हमले करते रहते हैं।

मध्य अफ्रीकी गणराज्य में परीक्षा के दौरान ट्रांसफॉर्मर विस्फोट में कम से कम 10 लोगों के मौत

बांगी। मध्य अफ्रीकी गणराज्य (सीएआर) की राजधानी बांगी स्थित बार्थेलेमी बोगांदा हाई स्कूल में परीक्षा के दौरान ट्रांसफॉर्मर में विस्फोट होने से कम से कम 10 लोगों की मौत और कई गंभीर रूप से घायल हुये हैं। राष्ट्रीय शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, ट्रांसफॉर्मर में तकनीकी खराबी आने पर इससे पहले इएनइआरसीए की एक टीम को मरम्मत कार्य के लिए भेजा गया था। जैसे ही बिजली की आपूर्ति बहाल की गयी, ट्रांसफॉर्मर में जोरदार विस्फोट हुआ, जिससे परीक्षा केंद्रों में अफरा-तफरी मच गयी। एक छात्र रुफिन पांडामा ने बताया,'हम परीक्षा दे रहे थे, तभी एक जोरदार धमाका हुआ। सभी लोग इधर-उधर भागने लगे। कई साथी गिर गये और दब गये।' मंत्रालय ने कहा कि इस स्कूल में दो परीक्षा केंद्रों पर कुल 5,311 परीक्षार्थी उपस्थित थे। विस्फोट के बाद अस्पतालों से प्राप्त जानकारी के अनुसार 10 लोगों की मौत की जानकारी मिली है और कई की हालत गंभीर बनी हुयी है। मंत्रालय ने बताया कि घटना की जांच की जायेगी और कारणों का पता लगाया जाएगा तथा शेष परीक्षा सत्र की नयी तिथि जल्द ही घोषित की जाएगी।

इजरायल ने 12 दिनों के युद्ध में ईरान के 1,480 ठिकानों पर किया हमला, 3,500 हथियार गिराए

तेल अवीव। इजरायल ने ईरान में अपने 12 दिवसीय व्यापक सैन्य अभियान में 1,480 से अधिक ठिकानों पर हमला किया और लगभग 1,500 हवाई हमले कर 3,500 हथियार गिराए । यह जानकारी इजरायली मीडिया और रक्षा सूत्रों ने दी। ईरान इंटरनेशनल ने इजरायली सेना और राष्ट्रीय राहत सेवाओं (एमडीए) के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि संघर्ष के दौरान 29 इजरायली मारे गए। एक महिला की हवाई हमले के सायरन के दौरान हृदयाघात से मृत्यु हो गई। इजरायली वायुसेना ने इस हमले के दौरान 600 बार हवा में ईंधन भरने का कार्य किया और 80 ईरानी वायु रक्षा प्रणालियों और 250 मिसाइल प्रक्षेपण स्थल को भी निशाना बनाया। ईरान में आठ परमाणु स्थलों पर बमबारी की गई, जिसमें दो प्रमुख संयंत्रों को भारी नुकसान पहुंचा। प्रारंभिक हवाई हमलों में नतांज और इस्फाहान को निशाना बनाया गया और इसके बाद अराक, पर्चिन, करज, बोनाब और तेहरान पर हमला किया गया। राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान (आईएनएसएस) के हवाले से कहा गया कि इन हमलों से ईरान के परमाणु अवसंरचना को बहुत नुकसान पहुंचा है और देश की सामरिक प्रक्षेपण क्षमता का अधिकांश हिस्सा नष्ट हो गया है। हवाई हमलों के जवाब में ईरान ने इजरायल पर लगभग 600 मिसाइलें दागीं। रिशोन लेज़ियन, हाइफ़ा, पेटाह टिकवा, किर्यत अता और बीरशेबा सहित कई शहरों में लोगों की मौतें हुईं। संघर्ष के दौरान पूरे इजरायल में 30,000 से ज़्यादा इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं।

वेस्ट बैंक में इजराइली बसने वालों के हमले में 3 फिलिस्तीनी मारे गए

रामल्लाह/यरूशलम। वेस्ट बैंक के मध्य रामल्लाह के पूर्व में काफ़र मलिक शहर पर इजराइली बसने वालों के हमले में तीन फिलिस्तीनी मारे गए और सात अन्य घायल हो गए। फिलिस्तीनी आधिकारिक समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएफए ने यह जानकारी दी। स्थानीय स्रोतों का हवाला देते हुए डब्ल्यूएएफए ने कहा कि दर्जनों बसने वालों ने काफ़र मलिक शहर पर हमला किया और शहर में नागरिकों के वाहनों और घरों को जला दिया, जबकि शहर और आस-पास के गांवों के निवासियों ने उनका सामना करने का प्रयास किया। डब्ल्यूएएफए ने कहा कि इजरायली बलों ने बसने वालों को सुरक्षा प्रदान की, फिलिस्तीनियों पर गोलियां चलाईं और एंबुलेंस को घायलों तक पहुंचने और उन्हें ले जाने से रोका। इजरायली अखबार हारेत्ज़ ने एक स्थानीय निवासी का हवाला देते हुए बताया कि यह इजरायली सेना थी जिसने तीन फिलिस्तीनियों को मार डाला, हालांकि बसने वालों ने हैंडगन से भी गोलियां चलाईं। इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने एक बयान में कहा कि दर्जनों इजराइली नागरिकों ने काफ़र मलिक के पास एक गांव अल-मुगय्यिर में संपत्ति को आग लगा दी।

स्ट्रीट फेस्टिवल के दौरान गोलीबारी, 12 की मौत, 20 घायल

एजेंसी

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के गुआनाजुआतो राज्य में स्थित इरापुआटो में सेंट जॉन द बैपटिस्ट के सम्मान में आयोजित एक उत्सव के दौरान बंदूकधारियों ने गोलीबारी की, जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई। इनके अलावा 20 लोग घायल हुए हैं। स्थानीय अधिकारियों ने इस घटना की पुष्टि की है। यह वारदात हुई। उस समय लोग कम्युनिटी हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में डांस करने और शराब पीने के लिए एकत्र हुए थे। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में वारदात से ठीक पहले लाइव बैंड की धुन पर लोग नाचते नजर आ रहे हैं। इरापुआटो के एक स्थानीय अधिकारी रोडोल्फो गोमेज सर्वेंट्स ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुष्टि की है कि 12 लोग इस घटना में मारे गए हैं, जबकि 20 घायलों का इलाज

चल रहा है। मेक्सिकन राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने इस घटना की निंदा करते हुए जल्द से जल्द न्याय का आदेश दिया है। उन्होंने कहा, जो हुआ, वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। मामले की जांच चल रही है। फेडरल एंड स्टेट सिक्योरिटी फोर्सेज हमलावरों की पहचान में जुटी है। मेक्सिको सिटी के उत्तर-पश्चिम में स्थित गुआनाजुआटो राज्य हाल के वर्षों में मेक्सिको के सबसे हिंसक इलाकों में से एक बन गया है। अपराधी गिरोह ड्रग्स, वसूली नेटवर्क और अन्य अवैध कारोबारों पर कंट्रोल हासिल करने के लिए जानलेवा गैंगवार जारी है।स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, राज्य में इस साल जनवरी से मई के बीच 1,435 हत्याओं के मामले दर्ज किए गए है।

यह किसी भी अन्य मेक्सिकन राज्य में हुई ऐसी वारदातों से दोगुनी से भी अधिक है। स्टेट अटॉर्नी जनरल ऑफिस के अनुसार, इरापुआटो की यह घटना गुआनाजुआटो में अलग-अलग हिंसक घटनाओं में पांच लोगों की हत्या के ठीक एक दिन बाद हुई है। पिछले महीने भी कुछ इसी तरह की घटना हुई थी। उस समय सैन बार्टोलो डे बेरियोस शहर में एक कैथोलिक चर्च के कार्यक्रम में बंदूकधारियों ने हमला किया था। उस घटना में सात लोग मारे गए थे।

पतंजलि जमीन घोटाले में पूर्व प्रधानमंत्री माधव नेपाल को मिली जमानत, कोर्ट ने बिना इजाजत विदेश जाने पर रोक लगाई

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में करोड़ों रुपये के पतंजलि ट्रस्ट के जमीन घोटाला मामले में विशेष अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल को जमानत प्रदान कर दी। इस मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो ने पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल को आरोपित बनाते हुए विशेष अदालत में मुकदमा दायर किया था। इस पर सुनवाई करते हुए विशेष अदालत ने माधव नेपाल का बयान दर्ज किया। साथ ही न्यायिक हिरासत में भेजे जाने की सरकारी पक्ष की मांग को अस्वीकार करते हुए उन्हें जमानत पर बाहर रखने का आदेश दिया । विशेष अदालत ने बुधवार देररात माधव कुमार नेपाल को 35 लाख रुपये के मुचलके पर जमानत दी। यह जानकारी उनके वकील शंभू थापा ने दी।उन्होंने बताया कि माधव कुमार को अदालत ने हर तारीख पर अदालत में उपस्थित होने का आदेश दिया है। साथ बिना कोर्ट की इजाजत के विदेश जाने पर रोक लगा दी।

'अमेरिका बीबी को बचाएगा', डोनाल्ड ट्रंप ने नेतन्याहू के खिलाफ चल रहे मुकदमे को खत्म करने की उठाई मांग

एजेंसी

वाशिंगटन। ईरान-इजरायल के बीच युद्धविराम की घोषणा के बाद भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार बयान दे रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू के खिलाफ भ्रष्टाचार के मुकदमे को खत्म करने की मांग की है।राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर लिखा, मुझे यह जानकर झटका लगा कि इजरायल, जिसने हाल ही में अपने इतिहास के सबसे महान क्षणों में से एक देखा और जिसका नेतृत्व बिबी नेतन्याहू मजबूती से कर रहे हैं, अपने युद्धकालीन महान प्रधानमंत्री के खिलाफ विच हंट जारी रखे हुए है। बिबी और मैंने एक साथ नरक जैसी स्थिति का सामना किया है, वो भी इजरायल के पुराने दुश्मन ईरान से लड़ते हुए, और अविश्वसनीय पवित्र भूमि के लिए बीबी का प्यार इससे बेहतर, तेज या मजबूत नहीं हो सकता था।उन्होंने कहा, कोई और होता तो हार, शर्मिंदगी और अराजकता का सामना करता। बिबी नेतन्याहू एक योद्धा थे। शायद इजरायल के इतिहास में कोई और योद्धा ऐसा नहीं था, और परिणाम कुछ ऐसा था जिसे कोई संभव नहीं मानता था- दुनिया के सबसे बड़े और शक्तिशाली परमाणु हथियारों में से एक का पूर्ण उन्मूलन, जो जल्द ही होने वाला था। हम इजरायल के अस्तित्व के लिए लड़ रहे थे, और इजरायल के इतिहास में बिबी नेतन्याहू से अधिक मेहनत और कुशलता से किसी ने नहीं लड़ा। इसके बावजूद मुझे पता चला कि बिबी को सोमवार को कोर्ट में बुलाया गया है।ट्रंप ने कहा, इस लंबे समय से चल रहे (मई 2020 से यह हॉरर शो चल रहा है– अभूतपूर्व!) राजनीति से प्रेरित मामले के लिए, ताकि उन्हें नुकसान पहुंचाया जाए। इतना कुछ देने वाले व्यक्ति के लिए ऐसा शिकार मेरे लिए अकल्पनीय है। वे इससे कहीं बेहतर के हकदार हैं और इजरायल भी। बिबी नेतन्याहू का मुकदमा तुरंत रद्द होना चाहिए या एक महान नायक को माफी दी जानी चाहिए, जिसने देश के लिए इतना कुछ किया। शायद मेरे जानने वालों में कोई और नहीं है, जो अमेरिका के राष्ट्रपति के तौर पर मुझसे बेहतर तालमेल में काम कर सकता था, जितना बिबी नेतन्याहू ने किया। यह अमेरिका ही था, जिसने इजरायल को बचाया और अब यह अमेरिका ही होगा, जो बिबी नेतन्याहू को बचाएगा। इस न्याय के अन्याय को अनुमति नहीं दी जा सकती। बता दें, नेतन्याहू पर भ्रष्टाचार के तीन मामलों में (इजरायल में) मुकदमा चल रहा है। उन पर धोखाधड़ी, विश्वासघात और रिश्वतखोरी का आरोप है।

ट्रंप का न्यूयॉर्क सिटी के भावी मेयर ममदानी पर तीखा तंज

एजेंसी

वाशिंगटन। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर बनने के करीब पहुंच चुके भारत की मशहूर फिल्मकार मीरा नायर के बेटे जोहरान ममदानी कई लोगों के निशाने पर आ गए हैं। उन पर निशाना साधने वालों में लोगों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी शामिल हो गए हैं। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने आज एम्स्टर्डम से वाशिंगटन की अपनी उड़ान के कुछ घंटों बाद अपने सोशल ट्रुथ पर लिखा, हमारे पास पहले भी कट्टरपंथी वामपंथी थे, लेकिन यह थोड़ा हास्यास्पद हो रहा है। ममदानी भयानक दिखते हैं। उल्लेखनीय है कि ममदानी इस समय न्यूयॉर्क स्टेट असेंबली सदस्य हैं।यही नहीं कल रात वोटों की गिनती के समय न्यूयॉर्क रिपब्लिकन की प्रतिनिधि एलिस स्टेफनिक ने न्यूयॉर्क शहर के मेयर के लिए डेमोक्रेटिक प्राइमरी में ममदानी की लगभग आधिकारिक जीत के लिए संभावित राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को दोषी ठहराने की कोशिश की। स्टीफनिक ने न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल का जिक्र करते हुए एक्स पर लिखा, कोई गलती न करें, यह कैथी होचुल और एनवाई डेमोक्रेट पार्टी की अयोग्य कमजोरी और सरासर अक्षमता के कारण हुआ है। यहां यह खास है कि स्टीफनिक अगले साल गवर्नर पद का चुनाव लड़ सकती हैं। ट्रंप संयुक्त राष्ट्र राजदूत के रूप में उनके नामांकन को वापस ले चुके हैं। 33 वर्षीय लोकतांत्रिक समाजवादी ममदानी शहर के रैंक-चॉइस वोटिंग के पहले दौर में पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो पर अच्छी बढ़त हासिल की है। रिपब्लिकन ने ममदानी की उम्र, इजराइल की उनकी आलोचना और फिलिस्तीनियों के साथ उनके व्यवहार और उनकी प्रगतिशील राजनीति पर तंज कसा है। कुछ दक्षिणपंथी लोगों ने सीधे तौर पर उनके मुस्लिम धर्म की निंदा की है। हडसन वैली के उदारवादी रिपब्लिकन प्रतिनिधि माइक लॉलर ने कहा कि न्यूयॉर्क के डेमोक्रेट इस पागलपन की कीमत चुकाएंगे। लॉन्ग आइलैंड के एक हिस्से का प्रतिनिधित्व करने वालीं कांग्रेस सदस्य गिलन ने उन्हें बहुत ज्यादा चरमपंथी कहा और कहा कि उनका पूरा अभियान अपूरणीय वादों और उच्च करों पर आधारित है, जो न्यूयॉर्क को बिल्कुल भी नहीं चाहिए। उल्लेखनीय है कि भारतीय मूल के 33 वर्षीय जोहरान ममदानी इस पद पर पहुंचने वाले पहले भारतीय-अमेरिकी और पहले मुस्लिम होंगे। उनकी मां मीरा नायर के खाते में सलाम बॉम्बे, नेमसेक और मॉनसून वेडिंग जैसी मशहूर फिल्में हैं। जोहरान ने चुनाव प्रचार में मुफ्त बस सेवा, मुफ्त चाइल्ड केयर, अधिक किफायती मकान, न्यूनतम वेतन में इजाफा और अमीरों पर अतिरिक्त टैक्स जैसे मुद्दों को उठाया है।

युद्ध विराम के बाद नहीं दिखे अयातुल्ला अली खामेनेई, उठने लगे सवाल

एजेंसी

तेहरान। इजरायल-ईरान संघर्ष का पटाक्षेप युद्ध विराम से हो गया। इस सबके बीच ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की अनुपस्थिति को लेकर विदेशी मीडिया में हलचल तेज है और कई तरह के सवाल पूछे जाने लगे हैं। 'न्यूयॉर्क टाइम्स' ने इशारों-इशारों में बात कही तो इजरायली मीडिया ने भी सवाल पूछना शुरू कर दिया। 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' के अनुसार ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को बीते एक सप्ताह से न तो सार्वजनिक रूप से देखा गया, और न ही उनसे कोई बात हुई है। ईरान-इजरायल के बीच युद्ध विराम के बावजूद खामेनेई अब तक सामने नहीं आए हैं। द टाइम्स ऑफ इजरायल ने भी इस खबर को प्रमुखता से उठाया है। दावा किया जा रहा है कि ईरान-इजरायल के बीच 13 जून से संघर्ष बढ़ गया था।

रिपोर्ट्स के मुताबिक तभी खामेनेई को छिपा लिया गया था। आशंका जताई जा रही है कि खामेनेई संभवत- अभी भी छिपे हैं। उन्हें इस बात का डर है कि यरुशलम उनकी हत्या की कोशिश कर सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अब तक अयातुल्ला अली खामेनेई की स्थिति को लेकर कोई अपडेट नहीं मिला है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि क्या खामेनेई अभी भी जो कुछ चल रहा है उस पर शायद करीबी नजर बनाए हुए हैं। आर्टिकल के मुताबिक जब एक इंटरव्यू के दौरान खामेनेई के आर्काइव ऑफिसर मेहदी फजाएली से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, हम सभी को प्रार्थना करनी चाहिए। सर्वोच्च नेता की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार लोग अपना काम अच्छी तरह से कर रहे हैं। ईश्वर की इच्छा से, हमारे लोग अपने नेता के बगल में जीत का जश्न मना सकते हैं। एक और वजह से संदेह पैदा हो रहा है। दरअसल, तेहरान में, सप्ताहांत में अमेरिका और इजरायल विरोधी रैली के दौरान महिलाओं को खामेनेई की तस्वीरें पकड़े देखा गया और ये देश के सर्वोच्च अधिकारी की ओर से किसी सार्वजनिक निर्देश या संदेश के अभाव में यह एक दुर्लभ घटना है। ईरानी अखबारों में भी इसे लेकर फिक्र जताई गई है। खामेनेई की सुरक्षा ईरान की स्पेशल सिक्योरिटी सेपाह-ए-वली-ए-अम्र के हवाले है, जिसमें करीब 12 हजार बॉडीगार्ड्स रहते हैं। इन सभी की जिम्मेदारी अलग-अलग होती है।

डोनाल्ड ट्रंप अगले हफ्ते करेंगे ईरान से बातचीत

एजेंसी

हेग (नीदरलैंड)। उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह अगले हफ्ते ईरान से बातचीत करेंगे। उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि बातचीत का प्रारूप क्या होगा। उन्होंने कहा कि ईरान-इजराइल में युद्ध विराम के बाद स्थितियां अनुकूल बन रही हैं।द न्यूयॉर्क टाइम्स अखबार की खबर के अनुसार, ट्रंप ने कल हेग में नाटो शिखर सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा कि ईरान अपनी परमाणु महत्वाकांक्षा को त्यागने को तैयार है। इसलिए अब बातचीत करने में कोई हर्जा नहीं है। और यह भी ईरान और इजराइल के बीच युद्ध विराम दूसरे दिन में प्रवेश कर गया है। अब दोनों देशों से बुरी खबरें नहीं आ रहीं। ट्रंप ने कहा कि अगर अमेरिका ने ईरान के परमाणु सुविधा केंद्रों पर आक्रमण नहीं कियो होता तो शायद वह समझौते के लिए तैयार नहीं होता। इस दौरान ट्रंप ने मंगलवार को जारी एक प्रारंभिक अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट के निष्कर्षों के खिलाफ भी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। इसमें कहा गया था कि ईरान की परमाणु सुविधाओं पर अमेरिका के हमलों ने देश की महत्वाकांक्षाओं को केवल कुछ महीनों के लिए पीछे धकेल दिया है। ट्रंप ने दोहराया कि हमलों ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को तहस-नहस कर दिया है।

दलाई लामा दो साल बाद जाएंगे लद्दाख, 45 दिनों का रहेगा यह दौरा

एजेंसी

धर्मशाल। तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा अगले माह जुलाई में लद्दाख प्रवास के लिए जाएंगे। धर्मगुरु का दो साल बाद यह लद्दाख दौरा है जो 45 दिवसीय रहेगा। दलाई लामा का यह प्रवास धर्मशाला में उनके 90वें जन्मदिन समारोह के तुरंत बाद होगा। दलाई लामा इस दौरान अपने अनुयायियों को टीचिंग देने के साथ ही विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। दलाई लामा लद्दाख बौद्ध संघ (एलबीए) के अध्यक्ष सेरिंग दोरजे को दलाई लामा के कार्यालय द्वारा जारी एक पत्र में इस यात्रा की पुष्टि की गई है। पत्र के अनुसार, दलाई लामा 12 जुलाई को लेह पहुंचेंगे। लद्दाख में, नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मौसम के अनुकूल होने के लिए कुछ दिनों तक आराम करेंगे। उनके कार्यक्रम में लेह और आसपास के क्षेत्रों में कई सार्वजनिक और निजी कार्यक्रम शामिल हैं। प्राचीन मठों और संरक्षित बौद्ध विरासत के लिए जाने जाने वाले सुदूर और आध्यात्मिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र ज़ांस्कर की एक संभावित यात्रा भी कार्यक्रम में है, हालांकि इसकी विशिष्ट तिथियों को लेकर अभी तक अंतिम रूप नही नही दिया गया। एलबीए ने दलाई लामा की इस आगामी यात्रा पर खुशी व्यक्त की है, जो हिमालयी क्षेत्र के लिए उनके आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व को उजागर करती है।यह आगामी यात्रा जुलाई 2024 में दलाई लामा की संयुक्त राज्य अमेरिका में घुटने की सर्जरी के कारण नियोजित यात्रा को रद्द करने के बाद हो रही है। इस यात्रा के रद्द होने के बाद के महीनों में, लद्दाख में विभिन्न धार्मिक और सामुदायिक नेताओं ने दलाई लामा के कार्यालय से सक्रिय रूप से संपर्क कर उन्हें फिर से आमंत्रित किया। अक्टूबर 2024 में, थिक्से रिनपोछे, सेरिंग दोरजे (एलबीए), लद्दाख गोनपा एसोसिएशन के सेरिंग एंगडस और लद्दाख यूथ एसोसिएशन के जिग्मेट रबटन के एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने धर्मशाला में दलाई लामा के निवास पर उनसे मुलाकात की, जिसने उन्हें 2025 की यात्रा के लिए न्यौता दिया था।अपनी लद्दाख यात्रा के दौरान, दलाई लामा की शिक्षाएं बौद्ध दर्शन, सार्वभौमिक करुणा और अंतरधार्मिक सद्भाव पर केंद्रित होंगी, ऐसे मूल्य जिनका उन्होंने दुनिया भर में लगातार समर्थन किया है। लद्दाख की अपनी यात्रा शुरू करने से पहले दलाई लामा धर्मशाला में 90वें जन्मदिन समारोह की श्रृंखला में भाग लेंगे। उत्सव की शुरुआत 30 जून को मैकलोडगंज में मुख्य तिब्बती मंदिर चुगलाखांग में एक सार्वजनिक कार्यक्रम और दीर्घायु अर्पण समारोह के साथ होगी। इस कार्यक्रम का आयोजन आमदो प्रांत (धोमी चोलखा) के सदस्यों द्वारा किया जाएगा। दलाई लामा मूल रूप से इसी प्रांत से आते हैं। 5 जुलाई को केंद्रीय तिब्बती प्रशासन निर्वासन में रह रहे सभी तिब्बतियों की ओर से दीर्घायु समारोह आयोजित करेगा।

फिल्म निर्माता मीरा नायर के बेटे जोहरान का न्यूयॉर्क सिटी का मेयर बनना तय

जेंसी

न्यूयॉर्क। भारत की मशहूर फिल्मकार मीरा नायर के बेटे जोहरान ममदानी का न्यूयॉर्क सिटी का अगला मेयर बनना तय है। भारतीय मूल के 33 वर्षीय जोहरान ममदानी इस पद पर पहुंचने वाले पहले भारतीय-अमेरिकी और पहले मुस्लिम होंगे। मीरा नायर के खाते में सलाम बॉम्बे, नेमसेक और मॉनसून वेडिंग जैसी मशहूर फिल्में हैं। वाशिंगटन और न्यूयॉर्क से छपने वाले लगभग हर अखबार में यह खबर प्रमुख सुर्खी है। भारतीय मूल के जोहरान ममदानी ने अमेरिकी राजनीति में इतिहास रच दिया है। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर चुनाव में ममदानी के मुख्य प्रतिद्वंद्वी और पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो ने अपनी हार स्वीकारते हुए उन्हें जीत की बधाई दी है। जोहरान खुद को डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट कहते हैं। मौजूदा समय में वह न्यूयॉर्क स्टेट

असेंबली सदस्य हैं। उन्होंने 2021 में राजनीति में कदम रखा और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा।

जोहरान ने चुनाव प्रचार में मुफ्त बस सेवा, मुफ्त चाइल्ड केयर, अधिक किफायती मकान, न्यूनतम वेतन में इजाफा और अमीरों पर अतिरिक्त टैक्स जैसे मुद्दों को उठाया है। युगांडा में जन्मे मीरा नायर के बेटे जोहरान के पिता महमूद ममदानी मशहूर शिक्षाविद हैं। अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन का अनुमान है कि ममदानी का शुरुआती समर्थन 50 फीसद से कम रहेगा। इसका आशय यह हुआ कि इस दौड़ में औपचारिक रूप से रैंक-चॉइस वोट निर्णायक होंगे। इसकी घोषणा 01 जुलाई से की जाएगी। प्रतिद्वंद्वी के हार स्वीकार करने पर उन्होंने कहा, नेल्सन मंडेला के शब्दों में जब तक यह पूरा नहीं हो जाता, तब तक यह हमेशा असंभव लगता है। और हम जीत गए। हर न्यू यॉर्कर जीत गया।

यूक्रेन-नाटो शिखर सम्मेलन में ट्रंप-जेलेंस्की की अहम मुलाकात

एजेंसी

वाशिंगटन डीसी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने आज वाशिंगटन में चल रहे नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की। इस उच्च-स्तरीय बैठक में मुख्य रूप से यूक्रेन के लिए वायु रक्षा प्रणाली की खरीद और रूस के खिलाफ एक मजबूत रक्षात्मक मोर्चा बनाने की रणनीतियों पर चर्चा हुई। यूक्रेन वर्तमान में रूसी मिसाइल और ड्रोन हमलों का लगातार सामना कर रहा है, जिसके कारण उसे आधुनिक वायु रक्षा प्रणालियों की तत्काल आवश्यकता है। जेलेंस्की ने ट्रंप को यूक्रेन में मौजूदा स्थिति और रूसी आक्रमण के कारण हो रहे विनाश के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि यूक्रेन को अपनी हवाई सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अधिक पैट्रियट मिसाइल सिस्टम और अन्य अत्याधुनिक वायु रक्षा प्रणालियों की जरूरत है। ट्रंप, जो इस शिखर सम्मेलन में अपने भविष्य के संभावित राष्ट्रपति पद के लिए अमेरिकी सहयोगियों के साथ संबंध मजबूत करने के लिए मौजूद थे, ने यूक्रेन की जरूरतों को ध्यान से सुना। इस मुलाकात से यह संकेत मिलता है कि यूक्रेन, अमेरिकी राजनीतिक स्पेक्ट्रम के दोनों प्रमुख छोरों से समर्थन प्राप्त करने का प्रयास कर रहा है, भले ही ट्रंप ने अतीत में यूक्रेन को अमेरिकी सहायता पर सवाल उठाए हों।

इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी की अंतरिम जमानत अवधि कोर्ट ने बढ़ाई

एजेंसी

रावलपिंडी (पाकिस्तान)। आतंकवाद निरोधक अदालत ने आज पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी की अंतरिम जमानत अवधि बढ़ा दी। अदालत ने उन्हें यह राहत 26 नवंबर के विरोध प्रदर्शन से संबंधित मामलों में प्रदान की। दुनिया न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, न्यायाधीश अमजद अली शाह ने पूर्व प्रथम महिला के खिलाफ 12 मामलों की सुनवाई की और उनकी उपस्थिति को अदालत के नोटिस के माध्यम से दर्ज किया। अदालत ने सुनवाई 10 जुलाई तक स्थगित करते हुए अगली तारीख पर सभी मामलों के लिए पुलिस से आरोप पत्र भी तलब किया है। न्यायाधीश ने दोनों पक्षों के वकीलों को अगली सुनवाई पर अपनी दलीलें पेश करने का निर्देश भी दिया है।

इस बीच, आतंकवाद निरोधी अदालत ने जीएचक्यू हमले और 09 मई के मामलों की सुनवाई भी 03 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी है। इस सप्ताह की शुरुआत में लाहौर हाई कोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की 09 मई, 2023 की घटनाओं से संबंधित आठ मामलों में जमानत याचिकाओं को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति सैयद शाहबाज अली रिजवी की अध्यक्षता वाली लाहौर हाई कोर्ट की दो सदस्यीय पीठ ने पीटीआई संस्थापक इमरान खान की

जमानत याचिकाओं पर सुनवाई की।

उनके वकील बैरिस्टर सलमान सफदर ने तर्क दिया कि मामले राजनीति से प्रेरित थे और याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट के समक्ष पेश होने के समय एनएबी की हिरासत में था, उसे बाहर की स्थिति के बारे में पता नहीं था। उन्होंने कहा कि इमरान खान ने दंगों की निंदा की है और अदालत से गिरफ्तारी के बाद जमानत देने का अनुरोध किया है। अभियोजन पक्ष ने जमानत का विरोध करते हुए तर्क दिया कि 09 मई की घटनाएं पूर्व नियोजित साजिश का परिणाम थीं। उन्होंने दावा किया कि पीटीआई संस्थापक के निर्देश पर सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया। अभियोजन पक्ष ने आरोप के समर्थन में सबूत पेश किए। सभी दलीलें सुनने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया और बाद में आठ मामलों में इमरान खान की जमानत खारिज कर दी।

हॉकी लीग : नेशनल स्पोर्टिंग क्लब ने खिताब जीता

एजेंसी

प्रयागराज। नेशनल स्पोर्टिंग क्लब ने उत्तर मध्य रेलवे को 7-2 से हराकर प्रथम हाफिज गजनफर उल्ला इलाहाबाद हॉकी लीग के खिताब पर कब्जा जमा लिया। मजीदिया इस्लामिया इंटर कालेज मैदान पर खेले गये खिताबी मुकाबले में नेशनल स्पोर्टिंग के लिए फदह खान ने तीन, अदनान ने दो, शाहबाज अली व मोहम्मद शारिक ने एक-एक गोल किया। एनसीआर की तरफ से दोनों गोल अभय ने किया। रेलवे के शोएब को रफ खेल के लिए रेड कार्ड दिखाया गया। शाहबाज और मेराज खान मैच के निर्णायक रहे। मुख्य अतिथि मजीदिया इस्लामिया इंटर कालेज की प्रबंध समिति के सदस्य एवं इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ता जिबरान उल्ला ने पुरस्कार वितरित किये। एमआईसी के प्रधानाचार्य अब्दुल रहमान खान, इलाहाबाद हाकी की सचिव पुष्पा श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव शाहिद कमाल खान विशिष्ट अतिथि रहे। आयोजन सचिव अकील अब्बास रिजवी ने अतिथियों का स्वागत एवं कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में अन्तरराष्ट्रीय हाकी खिलाड़ी इमरान खान को सम्मानित किया गया। इस मौके पर इबादुर रहमान, अरशद अल्वी, मोहम्मद आरिफ, जुल नूरैन, आनंद कुमार, जमशेर, क्षितिज कुमार, मो. गद्दाफी, फुजैल एवं अकील अहमद मौजूद रहे।

हेडिंग्ले में शानदार प्रदर्शन से टेस्ट करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर पहुंचे डकेट

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ हेडिंग्ले में खेले गए पहले टेस्ट मैच में धमाकेदार प्रदर्शन करने वाले इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज़ बेन डकेट को आईसीसी टेस्ट बल्लेबाज़ी रैंकिंग में जबरदस्त उछाल मिला है। बाएं हाथ के इस 30 वर्षीय बल्लेबाज़ ने पहली पारी में 62 और दूसरी पारी में 149 रनों की शानदार पारी खेली थी, जिससे इंग्लैंड ने भारत को अंतिम दिन 5 विकेट से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की। डकेट को प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया और अब वह आईसीसी की ताज़ा टेस्ट रैंकिंग में करियर की सर्वश्रेष्ठ आठवीं रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। इसी मैच में शतक लगाने वाले ओली पोप तीन स्थान की छलांग लगाकर 19वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि जेमी स्मिथ ने 40 और 44 रनों की पारियों के दम पर करियर की सर्वश्रेष्ठ 27वीं रैंकिंग हासिल की है। तेज गेंदबाज़ जोश टंग ने भी गेंदबाज़ी रैंकिंग में 16 स्थान की छलांग लगाते हुए 64वां स्थान प्राप्त किया है। कप्तान बेन स्टोक्स गेंदबाज़ों की सूची में एक स्थान ऊपर 49वें नंबर पर और ऑलराउंडर्स में तीन स्थान की छलांग लगाकर पांचवें नंबर पर पहुंच गए हैं। स्टोक्स ने इस टेस्ट में पांच विकेट लेने के साथ-साथ 53 रन भी बनाए।

फीफा क्लब वर्ल्ड कप : चेल्सी ने एस्पेरांस को 3-0 से हराया, नॉकआउट में बेनफिका से होगा मुकाबला

फिलाडेल्फिया। फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 में चेल्सी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ग्रुप डी के अंतिम मुकाबले में एस्पेरांस डी ट्यूनिस को 3-0 से हराकर नॉकआउट (राउंड ऑफ 16) में जगह बना ली है। इस मुकाबले में चेल्सी की ओर से टोसीन अदराबायोयो, लियाम डेलैप और टायरिक जॉर्ज ने गोल दागे। चेल्सी ग्रुप डी में 7 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि फ्लेमेंगो ने लॉस एंजेलेस एफसी के खिलाफ 1-1 की बराबरी के साथ ग्रुप में टॉप किया। एस्पेरांस तीन अंकों के साथ तीसरे और एलएएफसी एक अंक के साथ सबसे नीचे रहा। अब चेल्सी का सामना शनिवार को ग्रुप सी की विजेता टीम बेनफिका से होगा। यह मुकाबला शार्लोट के बैंक ऑफ अमेरिका स्टेडियम में खेला जाएगा। फ्लेमेंगो रविवार को मियामी में बायर्न म्यूनिख से भिड़ेगा, जो ग्रुप सी की उपविजेता रही। चेल्सी के मैनेजर एंजो मारेस्का ने इस मुकाबले में अपने कई अहम खिलाड़ियों को आराम दिया, जिनमें कोल पामर और गोलकीपर रॉबर्ट सांचेज प्रमुख रहे। इसके अलावा, स्ट्राइकर निकोलस जैक्सन पर दो मैचों का निलंबन चल रहा है, जिससे वह इस मुकाबले में भी नहीं खेले।

नेमार ने सैंटोस के साथ दिसंबर तक बढ़ाया अनुबंध

साओ पाउलो। ब्राज़ीलियाई स्टार फुटबॉलर नेमार ने अपने घरेलू क्लब सैंटोस एफसी के साथ अपना अनुबंध दिसंबर 2025 तक बढ़ा दिया है। क्लब में जनवरी 2025 के अंत में लौटने के बाद चोटों के कारण उनका योगदान सीमित रहा है। उनका मौजूदा करार इसी सप्ताह समाप्त होने वाला था, जिसे अब छह महीने के लिए बढ़ा दिया गया है। नेमार ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा,मैंने सैंटोस के साथ अपना अनुबंध बढ़ा दिया है। मैं गया, वापस आया और वहीं रुका जहां सब कुछ शुरू हुआ था – और जहां यह कभी खत्म नहीं होगा। हालांकि, अनुबंध को 2026 विश्व कप तक क्यों नहीं बढ़ाया गया, इस पर न तो नेमार और न ही क्लब की ओर से कोई स्पष्टीकरण दिया गया। गौरतलब है कि नए ब्राजील कोच कार्लो एंसेलोटी ने हाल ही में संकेत दिया था कि वह नेमार की फिटनेस पर भरोसा कर रहे हैं और उन्हें 2026 विश्व कप में खेलते देखना चाहते हैं। सैंटोस के लिए अपने पहले कार्यकाल (2009-2013) में नेमार ने 225 मैचों में 138 गोल किए थे और क्लब को 6 प्रमुख खिताब जिताने में मदद की थी।

वीरांगना की धरती पर हॉकी का संग्राम 17 से 22 जुलाई तक

एजेंसी

झांसी। वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की भूमि झांसी में आगामी 17 से 22 जुलाई तक मेजर ध्यानचंद एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में आयोजित होने वाली अखिल भारतीय आमंत्रण प्राइजमनी महिला हॉकी प्रतियोगिता को लेकर तैयारियों का दौर तेज हो गया है। देश भर से हॉकी प्रतियोगिता में शामिल होने आ रहीं 12 टीमों के स्वागत के लिए झांसी तैयार है। जिलाधिकारी मृदुल चौधरी की अध्यक्षता में प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु समीक्षा बैठक भी आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी सुरेश बोनकर ने बताया कि खेल निदेशालय, उत्तर प्रदेश एवं हॉकी इंडिया, नई दिल्ली के मानकों के अनुरूप इस छह दिवसीय प्रतियोगिता में देश की 12 प्रमुख महिला हॉकी टीमें भाग लेंगी। इनमें यूनियन बैंक ऑफ इंडिया मुंबई, साई छात्रावास सोनीपत, एमपी एकेडमी ग्वालियर, साई

नेशनल सेंटर फॉर एक्सीलेंस कोलकाता, साई स्पोर्ट्स हॉस्टल रांची, साई हॉस्टल भोपाल, उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज, हॉकी कर्नाटक बेंगलुरु, स्टील प्लांट भिलाई, स्पोर्ट्स हॉस्टल राउरकेला, यूपी हॉकी आदि प्रमुख टीमें शामिल हैं। प्रतियोगिता में विजेता टीम को दो लाख, उपविजेता को एक लाख और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को पचास हजार नकदी देकर सम्मानित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि महिला खिलाडियों के ठहरने के लिए अच्छे होटलों में व्यवस्था कराई जाए। आवासीय स्थल से स्टेडियम तक आवागमन के लिए बसें उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस व्यवस्था, नगर निगम द्वारा साफ-सफाई, चिकित्सा विभाग द्वारा डॉक्टरों और एम्बुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में क्षेत्राधिकारी नगर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला युवा कल्याण अधिकारी, हॉकी झांसी के सचिव सुबोध खाण्डेकर, ओलंपिक संघ मंडल संयोजक संजीव सरावगी, पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी मो. इब्राहिम खान, कोच अंकुर राणा और वरिष्ठ क्रिकेट खिलाड़ी विकास वेंदया भी उपस्थित रहे।

एफसी बार्सिलोना की कैंप नू में वापसी की तारीख तय, 10 अगस्त को होगा पहला मैच

एजेंसी

मैड्रिड। एफसी बार्सिलोना ने पुष्टि की कि क्लब दो वर्षों के लंबे इंतजार के बाद 10 अगस्त को अपने ऐतिहासिक स्टेडियम कैंप नू में वापसी करेगा। क्लब की आधिकारिक वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार, बार्सिलोना पारंपरिक जोआन गैम्पर प्री-सीजन ओपनर इसी दिन कैंप नू में खेलेगा। पिछले दो वर्षों से कैंप नू में व्यापक पुनर्निर्माण कार्य चल रहा है, जिसके कारण बार्सिलोना को अस्थायी रूप से लुईस कंपनी ओलंपिक स्टेडियम, मोंटजुइक में अपने घरेलू मुकाबले खेलने पड़े। हालांकि यह स्टेडियम प्रशंसकों के बीच ज्यादा लोकप्रिय नहीं रहा और लगभग 57,000 दर्शकों की क्षमता के बावजूद अक्सर खाली नजर आया। बार्सिलोना अब अपने पारंपरिक घर में लौट रहा है, हालांकि निर्माण कार्य अभी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। क्लब ने जानकारी दी कि, जिन हिस्सों पर अभी काम बाकी है उनमें शामिल हैं - नया तीसरा स्टैंड, डबल वीआईपी रिंग, छत की स्थापना, कुछ आंतरिक हिस्सों की तैयारी और स्टेडियम के आसपास के क्षेत्र का पुनर्निर्माण। निर्माण कार्य जारी रहने के कारण 10 अगस्त को स्टेडियम की क्षमता लगभग 60,000 दर्शकों की होगी, जो कि 99,354 की अंतिम क्षमता से काफी कम है, लेकिन फिर भी जोआन गैम्पर मैच के लिए पहले अनुमानित 25,000 दर्शकों से कहीं अधिक है। बार्सिलोना की यह वापसी न सिर्फ प्रशंसकों के लिए बड़ी खुशी की बात है, बल्कि यह क्लब के नए युग की शुरुआत भी मानी जा रही है।

जिम्बाब्वे महिला टीम पहली बार खेलेगी आईसीसी महिला चैंपियनशिप, न्यूज़ीलैंड दौरे से होगा आगाज़

एजेंसी

हरारे। जिम्बाब्वे महिला क्रिकेट टीम इतिहास रचने के लिए तैयार है। पहली बार आईसीसी महिला चैंपियनशिप में हिस्सा लेने जा रही जिम्बाब्वे की टीम अगले साल फरवरी-मार्च 2026 में न्यूज़ीलैंड दौरे पर जाएगी, जहां वह तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। यह मुकाबले जिम्बाब्वे की महिला चैंपियनशिप में आधिकारिक शुरुआत होंगे। तीन वनडे मैच 5, 8 और 11 मार्च को डुनेडिन में खेले जाएंगे। इससे पहले दोनों टीमों के बीच तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 25 फरवरी, 27 फरवरी और 1 मार्च को हैमिल्टन में होंगे। यह टी20 मुकाबले भी दोनों टीमों के बीच पहले आधिकारिक महिला टी20 मुकाबले होंगे। आईसीसी महिला चैंपियनशिप 2025-29 चक्र में जिम्बाब्वे की टीम को कुल आठ श्रृंखलाएं खेलनी हैं–चार घर में और चार विदेश में। जिम्बाब्वे घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका, वेस्ट इंडीज, श्रीलंका और आयरलैंड के खिलाफ खेलेगी, जबकि विदेशी दौरे भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान और न्यूज़ीलैंड के होंगे। यह चैंपियनशिप 2029 में होने वाले महिला वनडे विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का मुख्य रास्ता है। 2025-29 का यह चक्र आईसीसी महिला चैंपियनशिप का चौथा संस्करण है। जिम्बाब्वे की इस प्रतियोगिता में एंट्री के बाद अब इसमें 11 टीमें हिस्सा ले रही हैं। अब तक जिम्बाब्वे महिला टीम ने छह टीमों के खिलाफ वनडे मुकाबले खेले हैं, जिनमें से बांग्लादेश, आयरलैंड और पाकिस्तान आईसीसी के पूर्ण सदस्य हैं। जिम्बाब्वे क्रिकेट (जेडसी) के प्रबंध निदेशक गिवेमोर माकोनी ने एक आधिकारिक बयान में कहा, यह हमारे लिए गर्व और रोमांच का क्षण है कि जिम्बाब्वे महिला टीम अब

वैश्विक स्तर पर शीर्ष क्रिकेट में कदम रख रही है। यह इस बात का प्रमाण है कि हमारी महिला क्रिकेट कितनी आगे बढ़ी है और यह हमारे विजन और निवेश की भी पुष्टि करता है।जिम्बाब्वे के शामिल होने के साथ ही महिला चैंपियनशिप में अब आईसीसी के 12 में से 11 पूर्ण सदस्य देश हिस्सा ले रहे हैं।

अनीश भनवाला, सिफ्त कौर समरा, उमामहेश मड्डिनेनी ने राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स टी3 में दर्ज की जीत

एजेंसी

देहरादून। महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज के त्रिशूल शूटिंग रेंज में ग्रुप 'ए' एथलीटों के लिए तीसरा नेशनल सिलेक्शन ट्रायल्स हुआ, जिसमें ओलंपियन अनीश भनवाला, सिफ्त कौर समरा और जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप पदक विजेता उमामहेश मड्डिनेनी ने क्रमशः 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल पुरुष, 50 मीटर 3 पोजिशन महिला और 10 मीटर एयर राइफल पुरुष वर्ग में जीत हासिल की। अनीश ने फाइनल में 33 अंक हासिल किए, जो उनके राज्य साथी आदर्श सिंह से चार अंक अधिक थे। आदर्श 29 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि नौसेना के प्रदीप सिंह शेखावत ने 23 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। क्वालिफिकेशन के स्टेज 1 में अनीश ने 293 और स्टेज 2 में 289 अंक बनाकर कुल 582-21× अंकों के साथ फाइनल में पहला स्थान हासिल किया। प्रदीप ने 581-17× (290, 291) के साथ दूसरा और गुरमीत सिंह ने 579-15× (289, 290) के साथ तीसरा स्थान पाया। हरसिमर सिंह रत्ता (577-21×), नीरज कुमार (576-16×) और आदर्श सिंह (574-23×) शीर्ष छह में शामिल रहे। 50 मीटर 3 पोजिशन

महिला वर्ग में, हाल ही में म्यूनिख में हुए आईएसएसएफ विश्व कप में कांस्य पदक जीतने वाली सिफ्त कौर समरा ने 467.3 अंकों के साथ शानदार प्रदर्शन किया। वह दूसरे स्थान पर रहीं आकृति दहिया से 10.4 अंक आगे रहीं, जिनके 456.9 अंक थे। आशी चौकसे ने 443.9 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। क्वालिफिकेशन में आशी ने 592 अंक बनाकर पहला स्थान पाया, जबकि सिफ्त ने 591 और आकृति ने 588 अंक बनाए। मेहुली घोष (588), आयुषी पोद्दार (587), विदर्शा के. विनोद (586), वंशिका शाह (585) और निश्चल सिंह (585) भी टॉप-8 में शामिल रहीं। 10 मीटर एयर राइफल पुरुष वर्ग के फाइनल में, उमामहेश मड्डिनेनी ने 252.2 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने ब्यूनस आयर्स विश्व कप स्वर्ण पदक विजेता रुद्रांक्ष पाटिल (251.5 अंक) को कड़ी टक्कर देकर हराया। दिव्यांश पंवार ने 230.1 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।

हॉकी इंडिया मास्टर्स कप 2025 (पुरुष वर्ग): तमिलनाडु और महाराष्ट्र फाइनल में पहुंचे, 27 जून को होगा खिताबी मुकाबला

एजेंसी

चेन्नई। मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम, चेन्नई में चल रहे पहले हॉकी इंडिया मास्टर्स कप 2025 (पुरुष वर्ग) का फाइनल अब करीब है और यह ऐतिहासिक खिताब किसके नाम होगा, इसका फैसला 27 जून को होगा। फाइनल में जगह बनाने वाली दो टीमें हैं- हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु और हॉकी महाराष्ट्र, जिन्होंने अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज की।

पहले सेमीफाइनल में हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु ने हॉकी चंडीगढ़ को 3-0 से हराकर टूर्नामेंट के पहले फाइनलिस्ट बनने का गौरव हासिल किया। तमिलनाडु के लिए विनोथ कुमार ए.पी. ने मैच की पहली ही मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद सुधर्शन एस

(40') और कप्तान एडम एंटनी सिंक्लेयर (54') ने एक-एक गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की।

वहीं दूसरे सेमीफाइनल में हॉकी महाराष्ट्र ने हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा को 4-1 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। महाराष्ट्र के लिए लियोनार्ड कीथ परेरा ने चौथे और 17वें मिनट में दो शानदार गोल किए। इसके अलावा विक्रम पिल्लै (38') और कार्ल गोम्स (43') ने भी एक-एक गोल कर टीम की बढ़त को मजबूत किया। ओडिशा की ओर से कप्तान लाजरुस बारला (27') ने एकमात्र सांत्वना गोल किया।

के लिए सर्वेक्षण कार्य प्रारंभ

अब हॉकी चंडीगढ़ और हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा के बीच कांस्य पदक मुकाबला शुक्रवार, 27 जून को सुबह 8:00 बजे खेला जाएगा। इसके बाद फाइनल मुकाबला हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु और हॉकी महाराष्ट्र के बीच शाम 4:00 बजे होगा।

बोटाफोगो के अनुभवी डिफेंडर बास्टोस फीफा क्लब वर्ल्ड कप से बाहर

एजेंसी

फिलाडेल्फिया। अनुभवी डिफेंडर बास्टोस को घुटने की पुरानी चोट दोबारा उभरने के कारण बोटाफोगो की फीफा क्लब वर्ल्ड कप टीम से बाहर कर दिया गया है। ब्राज़ीलियन क्लब ने यह जानकारी दी। 34 वर्षीय अंगोला अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बास्टोस ने सोमवार को एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ 1-0 से मिली हार में बतौर अनयूज़्ड सब्स्टीट्यूट टीम में जगह बनाई थी। वह फरवरी से चोट के कारण बाहर थे, लेकिन हाल ही में फिट होकर टीम में लौटे थे। हालांकि मैच के बाद उन्होंने घुटने में फिर से तकलीफ की शिकायत की, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए ब्राज़ील भेजा जा रहा है। बोटाफोगो ने ग्रुप बी में दूसरा स्थान हासिल किया है और अब वह फिलाडेल्फिया में राउंड ऑफ 16 मुकाबले में अपने ब्राज़ीलियन प्रतिद्वंदी पल्मेरास से भिड़ेगा। बास्टोस, जिन्हें अंगोला के लिए 58

अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का अनुभव है, ने 2023 में अल-अहली से बोटाफोगो में शामिल होने के बाद क्लब के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 60 मैच खेले हैं। वह उस बोटाफोगो टीम का हिस्सा रहे हैं जिसने पिछले साल कोपा लिबर्टाडोरेस (दक्षिण अमेरिका की शीर्ष क्लब प्रतियोगिता) और ब्राज़ीलियाई सेरी ए का खिताब जीता था।

नवंबर 2025 में राजस्थान में होंगे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स : मनसुख मांडविया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने घोषणा की कि खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 का आयोजन इस वर्ष नवंबर में राजस्थान के जयपुर शहर में होगा। इस बहुप्रतीक्षित आयोजन की मेज़बानी पूर्णिमा यूनिवर्सिटी और राजस्थान यूनिवर्सिटी संयुक्त रूप से करेंगी। यह खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का पांचवां संस्करण होगा, जिसकी शुरुआत फरवरी 2020 में हुई थी। इस बार प्रतियोगिता में देशभर की 200 से अधिक यूनिवर्सिटियों से 4,000 से ज्यादा खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता 25 वर्ष से कम उम्र के खिलाड़ियों के लिए होगी और इसमें कम से कम 20 खेलों को शामिल किया जाएगा। डॉ. मांडविया ने कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो

रही है कि खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 नवंबर में राजस्थान में आयोजित किए जाएंगे। ये प्रतियोगिताएं उन खिलाड़ियों के लिए एक सुनहरा अवसर हैं जो राष्ट्रीय मंच पर अपना कौशल दिखाकर देशभर के टैलेंट स्काउट्स को प्रभावित करना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विश्व स्तर पर यूनिवर्सिटी खिलाड़ी बहु-खेल आयोजनों में अपना दबदबा रखते हैं और उम्मीद जताई कि राजस्थान में भी प्रतिभाशाली खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2024 का आयोजन पूर्वोत्तर भारत के सात राज्यों - असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, सिक्किम, नागालैंड और त्रिपुरा - में संयुक्त रूप से किया गया था। प्रतियोगिता में 4,500 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और 770 पदक (240 स्वर्ण, 240 रजत, 290 कांस्य) दांव पर लगे थे।

1.=चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने ओवरऑल चैंपियनशिप जीती थी।

2. लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी 42 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रही (20 स्वर्ण, 14 रजत, 8 कांस्य)।

3. गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर ने 51 पदक (12 स्वर्ण, 20 रजत, 19 कांस्य) जीतकर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

प्रतिभावान खिलाड़ियों का प्रदर्शनः उत्कल यूनिवर्सिटी की प्रत्यासा रे ने 4 स्वर्ण, 1 रजत और 1 कांस्य जीतकर महिला वर्ग की सबसे सफल खिलाड़ी बनीं। जैन यूनिवर्सिटी के जेवियर माइकल डिसूजा ने 4 स्वर्ण पदक जीतकर पुरुष वर्ग में सबसे सफल एथलीट का खिताब अपने नाम किया। इसके अलावा एथलेटिक्स में कुल 8 नए खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स रिकॉर्ड बने, जिनमें से 5 रिकॉर्ड पुरुष वर्ग में दर्ज किए गए।

दूसरे टेस्ट से पहले आर्चर घरेलू मैच खेलें तो बेहतर : इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने दी सलाह

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को भारत के खिलाफ दूसरा टेस्ट खेलने से पहले लाल गेंद से एक और घरेलू मैच खेलने की सलाह दी है। तेज गेंदबाज आर्चर भारत के खिलाफ दो जुलाई से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। आर्चर रविवार से काउंटी चैंपियनशिप में ससेक्स टीम से खेलेंगे। रिपोर्कट मुताबिक आर्चर काउंटी मैच में फिट रहे तो दूसरे टेस्ट में उन्हें खिलाया जा सकता है। दूसरा टेस्ट दो जुलाई से एजबेस्टन में खेला जाएगा। इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स ने भी भारत-इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले बयान दिया था कि 30 साल के आर्चर फिर से टेस्ट जर्सी पहनने के लिए बेताब हैं।

हिमाचल की बेटी ने पैराग्लाइडिंग में रचा इतिहास, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जीते 14 मेडल

एजेंसी

धर्मशाला। मंडी जिला की युवा महिला पैराग्लाइडर पायलट अलीशा ने पैराग्लाइडिंग की दुनिया में भारत का नाम रोशन किया है। बीड़-बिलिंग घाटी में पली बड़ी अलीशा ने मई-जून 2025 के बीच कज़ाख़स्तान में आयोजित छह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेकर शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 ट्रॉफियां और 14 मेडल जिनमें 6 गोल्ड, 5 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज शामिल हैं, अपने नाम किए हैं। यह किसी भी भारतीय पैरा पायलट द्वारा एक ही अंतरराष्ट्रीय पैराग्लाइडिंग टूअर में जीते गए सबसे अधिक पदक हैं, जो भारत के लिए इस खेल में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। पैराग्लाइडिंग रैंकिंग में अलीशा विश्व स्तर पर महिलाओं की श्रेणी में 20वें स्थान पर हैं और भारत में महिला वर्ग में नंबर एक पर पहुंच गई हैं। जो देश के लिए एक और

गौरवपूर्ण क्षण है। उधर बीड़ बिलिंग पैराग्लाइडिंग एसोसिएशन ने अलीशा को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि आपने हम सब का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है।

ब्रिजटाउन टेस्टत्न पहले दिन गिरे 14 विकेट, ऑस्ट्रेलिया 180 पर ढेर, वेस्टइंडीज भी संकट में

एजेंसी

ब्रिजटाउन। वेस्टइंडीज ने पहले टेस्ट के पहले दिन गुरुवार (भारतीय समयानुसार) को ऑस्ट्रेलिया को सिर्फ 180 रनों पर समेट दिया, लेकिन केंसिंग्टन ओवल की पिच की चुनौती का अंदाजा उसे तब हुआ जब दिन के अंत तक उसने खुद 4 विकेट गंवा दिए। स्टंप्स तक वेस्टइंडीज का स्कोर 57/4 रहा, जहां डेब्यू कर रहे ब्रैंडन किंग 23 रन बनाकर नाबाद हैं। हालांकि किंग के लिए दिन मिश्रित रहा, क्योंकि उन्होंने फील्डिंग में तीन कैच छोड़े, लेकिन अंत में बल्लेबाजी में संभलने की कोशिश की।

शामार जोसेफ और सील्स की घातक गेंदबाज़ी

वेस्टइंडीज के लिए सबसे प्रभावशाली गेंदबाज़ शामार जोसेफ रहे, जिन्होंने 46 रन देकर 4 विकेट झटके। वहीं जयडेन सील्स ने 60 रन देकर 5 विकेट लिए, जो कि उनके टेस्ट करियर का तीसरा पांच विकेट हॉल रहा। दिलचस्प बात यह है कि उनके 34 टेस्ट विकेटों में से 17 ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ हैं।

ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में महज़ 56.1 ओवर में सिमट गई – यह वेस्टइंडीज की ज़मीन पर ऑस्ट्रेलिया का सबसे कम स्कोर है जब उन्होंने पहले बल्लेबाज़ी की हो।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ों का फ्लॉप शो

ऑस्ट्रेलिया की ओर से केवल तीन बल्लेबाज़ ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके – ट्रैविस हेड (59), उस्मान ख्वाजा (47) और कप्तान पैट कमिंस (28)।

पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी का फैसला किया, लेकिन पिच पर तेज़ गेंदबाज़ों को जबरदस्त मदद मिली – सीम, स्विंग और कई बार गेंद नीची रही। दिन के कुल 14 विकेटों में से 10 विकेट कैच के जरिए गिरे। ऑस्ट्रेलिया ने पहले घंटे में ही 3 विकेट गंवा दिए थे। मार्नस लाबुशेन की जगह उतरे सैम कॉन्स्टास सिर्फ 3 रन बनाकर जोसेफ की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हुए। जोसेफ ने इसके बाद कैमरून ग्रीन को भी चलता किया, जिन्हें गली में किंग ने जीवनदान देने के बाद स्लिप में आउट कर दिया। ख्वाजा और हेड ने मिलकर पारी को थोड़ा संभाला और लंच के बाद 89 रनों की साझेदारी की। हेड ने 57 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, लेकिन ख्वाजा 128 गेंदों पर 47 रन बनाकर आउट हुए। जोसेफ ने एक समय 12 ओवर में 4 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को झकझोर दिया। चार साल बाद टेस्ट में वापसी कर रहे विकेटकीपर शाई होप ने चार कैच लपके। उन्होंने जोश इंग्लिस का कैच लेकर अपना खाता खोला। जवाब में वेस्टइंडीज की शुरुआत भी खराब रही। मिचेल स्टार्क ने कप्तान क्रैग ब्रैथवेट (4) और जॉन कैंपबेल (7) को आउट किया।कमिंस ने कीसी कार्टी (20) को पवेलियन भेजा जबकि जोश हेज़लवुड ने नाइटवॉचमैन जोमेल वोरिकन को शून्य पर आउट कर दिया।

इसके बाद कप्तान रोस्टन चेस और ब्रैंडन किंग ने अंतिम 3.1 ओवर बिना विकेट गंवाए खेल लिए। चेस 1 रन पर नाबाद हैं।

अब तक का स्कोरः

ऑस्ट्रेलिया पहली पारीः 180 ऑलआउट (ट्रैविस हेड 59, ख्वाजा 47; सील्स 5/60, जोसेफ 4/46)

वेस्टइंडीज पहली पारीः 57/4 (ब्रैंडन किंग 23*, चेस 1*; स्टार्क 2/15)

राजा चौधरी ने

श्वेता तिवारी

को कहा अनपढ़, बेटी पलक की पढ़ाई पर भी किया बड़ा खुलासा

श्वेता तिवारी टीवी के दुनिया का जाना माना नाम हैं, वो काफी वक्त से इंजस्ट्री से जुड़ी हुई हैं. प्रोफशनल लाइफ के साथ ही साथ एक्ट्रेस हमेशा ही अपने पर्सनल लाइफ को लेकर लोगों के बीच चर्चा में घिरी रहती हैं. एक बार फिर उनके एक्स हसबैंड ने श्वेता के साथ अपने रिश्ते के बारे में और भी बाकी चीजों को लेकर बात की है. दोनों ने साल 1998 में शादी की थी, लेकिन दोनों की शादी ज्यादा दिन सही नहीं चली थी, जिसके बाद दोनों अलग हो गए.श्वेता तिवारी ने दो शादियां की था, जिसमें से पहली शादी उन्होंने राजा चौधरी के साथ की थी. लेकिन, बाद में कई तरह की परेशानियों के चलते वो अलग हो गए. हाल ही में राजा ने एक इंटरव्यू में उनके साथ रिश्ते के बारे में बात करते हुए कहा कि वो श्वेता से कई चीजों के बारे में सवाल करना चाहते हैं, जिनमें से एक ये है कि उन्होंने पुराने वक्त में पुलिस को बुलाने की जगह आपस में मामला सुलझाने के बारे में क्यों नहीं सोचा. साथ ही उन्होंने खुलासा करते हुए ये भी कहा कि श्वेता के दोस्तों ने शादी तोड़ने में

एक्ट्रेस की काफी हेल्प की.

श्वेता की कमाई थी ज्यादा

हिंदी रश से बात करते हुए राजा ने एक्ट्रेस की कमाई को लेकर बात की. उन्होंने कहा, श्वेता, मुझसे ज्यादा कमा रही थी, मैं भी काम कर रहा था, लेकिन क्या इससे कोई फर्क पड़ता है ? एक आदमी अपनी पूरी जिंदगी कमाता है जिस दिन एक औरत कमाती है, उसे लगता है कि यह उसका पैसा था. लेकिन, आदमी तो कभी नहीं कहता कि यह मेरा पैसा है. औरत का पैसा औरत का पैसा होगा, अजीब नाटक है. फिर बातें होंगी कि कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे, बराबरी करेंगे, अबे कहां हो बराबरी के लायक ? चार रुपए देखकर तुम्हारी नीयत बदल गई.

पलक के फ्यूचर की प्लानिंग

राजा ने बात करते हुए श्वेता की पढ़ाई को लेकर भी बात की है. उन्होंने कहा कि श्वेता ने खुद पढ़ाई नहीं की थी, इसी वजह से उन्होंने ही पलक के फ्यूचर की पूरी प्लानिंग की थी और कहा था, तुमने पैसे देखे नहीं, बचपन से तुमने गरीबी की जिंदगी जी है, चावल में रह रहे हो, अचानक से जब पैसे आए तो दिमाग खराब होता है लोगों का. पढ़ाई-लिखाई तुमने की नहीं है, अनपढ़ तुम वैसे हो, झूठे हो.

पहली ही फिल्म थी ब्लॉकबस्टर, फिर इस एक्टर ने साइन कर ली थीं 49 फिल्में

साल 1990 में एक फिल्म आई थी 'आशिकी'. इस पिक्चर ने बॉक्स ऑफिस के साथ ही लोगों के दिलों पर भी राज किया और इस कदर ब्लॉकबस्टर हुई कि आज 35 साल बाद भी लोग इसे बड़े चाव के साथ देखना पसंद करते हैं. फिल्म तो बहुत बड़ी ब्लॉकबस्टर निकली ही, वहीं इसके गानों ने भी फैंस को दीवाना बना लिया था. वहीं फिल्म के लीड हीरो राहुल रॉय भी छा गए थे. राहुल रॉय की ये पहली ही फिल्म थी. डेब्यू से ही राहुल रॉय रातोंरात स्टार बन गए थे. इसके बाद उनके पास फिल्मों की लाइन लग गई थी. आशिकी के बाद उन्होंने दस-बीस नहीं बल्कि करीब 50 फिल्में साइन कर ली थीं. ये खुलासा खुद राहुल ने एक बातचीत के दौरान किया था. लेकिन इसके बावजूद राहुल फिर कभी आशिकी जैसा जादू बड़े पर्दे पर नहीं दोहरा सके. उन्हें आधी फिल्में तो छोड़नी पड़ गई थीं.

राहुल रॉय ने साइन की थीं 49 फिल्में

एक बार राहुल रॉय आशिकी की कास्ट के साथ मशहूर कॉमेडियन कपिल शर्मा के शो पर पहुंचे थे तब कपिल ने राहुल से सवाल किया था, 卐आशिकी के बाद आपने 50 फिल्में साइन की थी ये अफवाह है या सच है ?卐 इस पर राहुल ने कहा था, 卐अफवाह है. लेकिन 49 फिल्में थीं और उस समय एक कानून बना था कि एक आर्टिस्ट एक साथ 12 फिल्मों से ज्यादा साइन नहीं कर सकता. मैं तो उन लकीरों को पार कर चुका था, लेकिन 25 या 26 फिल्मों के मैंने साइनिंग वापस दे दिए थे.卐 राहुल के पास एक साथ इतनी फिल्में थीं तो उनके पास ज्यादा वर्कलोड था, ऐसे में उन्हें कई फिल्में छोड़नी पड़ी. इनमें एक फिल्म शाहरुख खान और सनी देओल की डर (1993) भी थी.

राहुल का फिल्मी करियर

आशिकी के बाद राहुल ने कई फिल्में की, लेकिन वो स्टारडम और वो शोहरत फिर कभी नहीं मिली जो आशिकी ने दिलाई थी. पहली ही फिल्म ब्लॉकबस्टर होने के बाद भी राहुल का करियर ढलान पर चला गया और वो फ्लॉप एक्टर्स में गिने जाने लगे. उन्होंने अपने करियर में 'जुनून', 'फिर तेरी कहानी याद आई', 'नसीब', 'एलान' और 'कैबरे' सहित कई फिल्मों में काम किया. राहुल मशहूर रियलिटी शो 'बिग बॉस' के पहले सीजन का खिताब भी जीत चुके हैं.

अब्बा डब्बा जब्बा कहकर ऑडियंस को हंसाने वाली ये एक्ट्रेस अब कहां है? की 100 से ज्यादा फिल्में

बॉलीवुड में कई सारे ऐसे सीन्स हैं जो सुपरडुपर हिट हुए. ऐसे कई सारे डायलॉग्स भी हैं जो अपने समय में भी खूब चले और आज भी पसंद किए जाते हैं. कई कलाकारों पर तो उनके किरदार इतने भारी पड़े कि वे अपने किरदारों के नाम से ही पुकारे जाने लग गए. आज हम बात करेंगे एक ऐसी एक्ट्रेस की जिसने सिर्फ 3 शब्द बोले और लोग पेट पकड़-पकड़ कर हंसने लग गए. हम बात कर रहे हैं मशहूर कैरेक्टर एक्ट्रेस उपासना सिंह की. जुदाई फिल्म में बोला गया उनका एक डायलॉग बहुत हिट रहा था. इसके बोल थे अब्बा डब्बा जब्बा. इन 3 शब्दों से ही एक्ट्रेस ने सभी को खूब हंसाया था. आइये जानते हैं कि आजकल कहां हैं और क्या कर रही हैं उपासना सिंह.उपासना सिंह का जन्म पंजाब के होशियारपुर में हुआ था. उन्होंने अपने करियर में पंजाबी, गुजराती, हिंदी और राजस्थानी फिल्मों में काम किया. बॉलीवुड में उन्हें कॉमिक और नेगेटिव शेड्स के रोल्स ज्यादा ऑफर हुए. बाई चली ससरिए नाम की राजिस्थानी फिल्म से तो उन्होंने ट्रेंड सेट कर दिया था. इस फिल्म को इतना पंसद किया गया था कि ये 100 दिन से भी ज्यादा दिनों तक सिनेमाघरों में चली थी. ऐसा करने वाली राजेस्थानी फिल्म इंडस्ट्री की ये पहली फिल्म बनी थी.

एक डायलॉग ने बदल दी जिंदगी

साल 1997 में जुदाई नाम की एक फिल्म आई थी. इस फिल्म में उपासना ने वाणि का रोल प्ले किया था. फिल्म में उनकी केमिस्ट्री जॉनी लीवर के साथ देखने को मिली थी. पूरी फिल्म में उपासना अब्बा डब्बा जब्बा नाम का तकिया कलाम बोलती हैं. जब-जब वे ऐसा बोलती हैं उनके एक्सप्रेशन्स देख फैंस हंसी नहीं रोक पाते हैं. आज भी ये सीन काफी एपिक माना जाता है और फैंस को काफी पसंद भी आता है.

इन प्रोजेक्ट्स का रहीं हिस्सा

उन्होंने गंगा का वचन, इंसाफ की देवी, डर, कृष्णा अर्जुन, जुदाई, लोफर, सरफरोश, बादल, हमारा दिल आपके पास है, हंगामा, मुझसे शादी करोगी, हलचल, गोलमाल रिटर्न्स, गॉड तुस्सी ग्रेट हो समेत कई फिल्में शामिल हैं. टीवी की दुनिया में उन्होंने जय हनुमान, सोनपरी, मायका, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी, कॉमेडी नाइट्स विद कपिल और द कपिल शर्मा शो में काम किया. उनके ह्यूमर को बहुत पसंद किया जाता रहा है. अब वे फिल्मों में पहले के मुकाबले काफी कम एक्टिव रहती हैं.

सभी कितने असहज...

वरुण धवन

ने निधन पर कवरेज को लेकर साधा निशाना, की खास अपील

एक्टर वरुण धवन एक ऐसे एक्टर हैं जिन्हें बेहद कम मौकों पर अपने विचार व्यक्त करते हुए देखा जाता है. हाल ही में उन्होंने निधन को लेकर होने वाली मीडिया कवरेज पर अपने विचार व्यक्त किए हैं. उन्होंने बताया है कि ये कुछ लोगों के लिए कितना अनकन्फर्टेबल हो जाता है. एक्टर का ये रिएक्शन तब आया है जब हाल ही में 'कांटा लगा गर्ल' के नाम से मशहूर एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला का 42 साल की उम्र में निधन हो गया. सोशल मीडिया पर उनके अंतिम संस्कार के कई वीडियोज वायरल हो रहे हैं जिसमें उनके करीबी रोते हुए नजर आ रहे हैं. हालांकि वरुण ने अपनी पोस्ट में किसी का भी नाम मेंशन नहीं किया है लेकिन उन्होंने फ्यूनरल पर होने वाली कवरेज को लेकर एक बड़ी अपील की है.वरुण धवन ने इंस्टा स्टोरी पर लिखा- 'एक बार फिर से मीडिया ने किसी के निधन पर बहुत असंवेदनशील कवरेज की है. मुझे नहीं समझ में आता है कि किसी के दुख और शोक को हम लोग क्यों कवर करते हैं. वो कितने असहस लग रहे हैं. इससे भला किसी को क्या फायदा मिलता होगा. मैं मीडिया इंडस्ट्री के अपने साथियों से ये विनती करता हूं कि कोई भी अपनी अंतिम यात्रा को इस तरह कवर होते हुए नहीं देखना चाहता होगा.' उन्होंने अपनी पोस्ट के साथ ब्रोकन हार्ट इमोजी भी शेयर किया. उनकी पोस्ट से साफ पता चल रहा था कि वे कितने मायूस नजर आ रहे हैं.

सलमान खान के बिग बॉस का थीं हिस्सा

शेफाली जरीवाला की बात करें तो वे साल 2002 में कांटा लगा गाने से चर्चा में आई थीं और रातोंरात सेंसेशन बन गई थीं. उन्होंने फिल्मों और टीवी शोज में भी काम किया. वे सलमान खान के शो बिग बॉस के 13वें सीजन का भी हिस्सा रही थीं. शेफाली की पॉपुलैरिटी यूथ के बीच बहुत ज्यादा थी और उनकी अच्छी खासी फैन फॉलोइंग थी. उनके निधन से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री काफी दुखी है.

किन फिल्मों का हिस्सा हैं वरुण धवन ?

वरुण धवन की बात करें तो वे साल 2024 में स्त्री 2 और बेबी जॉन जैसी फिल्म में नजर आए थे. बेबी जॉन फिल्म से फैंस को काफी उम्मीदें थीं लेकिन ये फिल्म उम्मीद के मुताबिक परफॉर्म नहीं कर सकी थी. फिलहाल एक्टर 3 प्रोजेक्ट्स का हिस्सा हैं. वे सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी, है जवानी तो इश्क होना है और बॉर्डर 2 जैसी फिल्मों का हिस्सा हैं.

प्रोजेक्ट 17ए का स्वदेशी स्टील्थ फ्रिगेट 'उदयगिरि' भारतीय नौसेना को सौंपा गया

नई दिल्ली/एजेंसी

प्रोजेक्ट 17ए के तहत मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में बनाए जा रहे सात स्टील्थ फ्रिगेट में से दूसरा जहाज 'उदयगिरि' मंगलवार को भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया। ये बहु-मिशन फ्रिगेट भारत के समुद्री हितों के क्षेत्र में पारंपरिक और अपारंपरिक दोनों तरह के खतरों से निपटते हुए 'ब्लू वॉटर' वातावरण में संचालन करने में सक्षम हैं। उदयगिरि का नाम आंध्र प्रदेश राज्य में एक पर्वत श्रृंखला के नाम पर रखा गया है। बैटल क्रूजर स्टील्थ फीचर्स, उन्नत हथियारों और सेंसर एवं प्लेटफॉर्म मैनेजमेंट सिस्टम से लैस है।

मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स के अनुसार उदयगिरि को लॉन्चिंग की तारीख से 37 महीने के रिकॉर्ड समय में भारतीय नौसेना को सौंपा गया है। पी-17ए जहाजों में स्टेल्थ की विशेषताएं बढ़ाई गई हैं और इनमें अत्याधुनिक हथियार और सेंसर लगे हैं, जो पी17 श्रेणी से काफी बेहतर हैं। ये जहाज भारतीय नौसेना की युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो में इन-हाउस डिजाइन क्षमताओं में एक बड़ी छलांग का प्रतिनिधित्व करते हैं। उदयगिरि अपने पूर्ववर्ती आईएनएस उदयगिरि का आधुनिक अवतार है। यह परियोजना सेवा में सक्रिय शिवालिक श्रेणी (प्रोजेक्ट 17) फ्रिगेट का अनुवर्ती है। उदयगिरि एमडीएल, मुंबई और जीआरएसई, कोलकाता में निमार्णाधीन सात पी17ए फ्रिगेट्स में से दूसरा है।

प्रोजेक्ट 7ए जहाजों का पतवार प्रोजेक्ट 17 की तुलना में 4.54 फीसदी अधिक भू-सममितीय है। इन जहाजों में प्रोजेक्ट 17 वर्ग की तुलना में उन्नत चिकना और विशेषताओं के साथ एक उन्नत हथियार और सेंसर सूट लगाया गया है। जहाजों को संयुक्त डीजल या गैस मुख्य प्रणोदन संयंत्रों के साथ कॉनफि गर किया गया है, जिसमें एक डीजल इंजन और गैस टरबाइन शामिल है। हथियार सूट में सुपरसोनिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, 76 मिमी गन और 30 मिमी और 12.7 मिमी रैपिड-फायर क्लोज-इन हथियार प्रणालियों को लगाया गया है। भारतीय राज्य आंध्र प्रदेश में एक पर्वत श्रृंखला के नाम पर जहाज का नामकरण आईएनएस उदयगिरि के नाम पर किया गया है।

दिल्ली में आयोजित हुआ ब्राइडल कम्पटीशन एंड मेकअप सेमिनार अवॉर्ड शो, सेलिब्रिटी ऐश्वर्या शर्मा रहीं मुख्य आकर्षण

दिव्य दिल्ली: दिल्ली के जनकपुरी स्थित SK Precious Banquet में भव्य ब्राइडल कम्पटीशन एंड मेकअप सेमिनार अवॉर्ड शो का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व और आयोजन हर्षल रम्मन द्वारा किया गया, जो मेकअप इंडस्ट्री में उभरते हुए नामों को मंच देने के लिए जाने जाते हैं। कार्यक्रम में टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री और 'गुम है किसी के प्यार में' फेम ऐश्वर्या शर्मा ने बतौर सेलिब्रिटी गेस्ट शिरकत की। उनके आगमन से शो की रौनक और भी बढ़ गई और प्रतिभागियों में जोश की लहर दौड़ गई। इस विशेष अवसर पर देशभर से आए मेकअप आर्टिस्ट्स और मॉडल्स को एक साझा मंच मिला, जहां उन्होंने अपनी कला और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा मेकअप एजुकेटर स्नेहा शर्मा द्वारा दी गई लाइव मेकअप क्लास, जिसमें उन्होंने मेकअप आर्टिस्ट्स को नवीनतम ट्रेंड्स, ब्राइडल लुक्स और इंडस्ट्री में उभरती तकनीकों के बारे में विस्तार से बताया। ब्राइडल कम्पटीशन में प्रतिभागियों ने पारंपरिक से लेकर मॉडर्न दुल्हन के लुक्स को बेहतरीन ढंग से प्रस्तुत किया। रैम्प वॉक के दौरान हर मॉडल की खूबसूरती और मेकअप की कला ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं की घोषणा करते हुए सेलिब्रिटी ऐश्वर्या शर्मा ने उन्हें सम्मानित किया। उन्हें ताज पहनाकर और अवॉर्ड प्रदान कर उत्साहवर्धन किया गया। विजेताओं के चेहरे पर आत्मविश्वास और संतोष की झलक साफ नजर आई। हर्षल रम्मन ने कहा कि, इस प्रकार के आयोजनों से न केवल नए टैलेंट को मंच मिलता है, बल्कि मेकअप इंडस्ट्री को एक प्रोफेशनल पहचान भी मिलती है। हम देशभर के उभरते मेकअप आर्टिस्ट्स को एक ऐसा मंच दें जहां वे अपने हुनर को निखार सकें। यह आयोजन मेकअप इंडस्ट्री से जुड़े सभी कलाकारों के लिए न केवल एक प्रतियोगिता रहा, बल्कि एक सीखने और नेटवर्किंग का सुनहरा अवसर भी साबित हुआ। आने वाले वर्षों में ऐसे और आयोजनों की उम्मीद जताई जा रही है।

कार्यक्रम में टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री और 'गुम है किसी के प्यार में' फेम ऐश्वर्या शर्मा ने बतौर सेलिब्रिटी गेस्ट शिरकत की

जीएसटी ऐतिहासिक सुधार: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली/एजेंसी

वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) की आठवीं सालगिरह पर प्रधामंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि अप्रत्यक्ष कर शासन एक ऐतिहासिक सुधार के रूप में खड़ा है, जिसने भारत के आर्थिक परिदृश्य को फिर से आकार दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा, "अनुपालन बोझ को कम करके इसने विशेष रूप से छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए व्यापार करने में आसानी में बहुत सुधार किया है।" प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट पर एक फोटो शेयर करते हुए लिखा, जीएसटी को लागू हुए आठ साल हो गए हैं। यह एक ऐतिहासिक सुधार के रूप में सामने आया है। जिसने भारत के आर्थिक परिदृश्य को नया आकार दिया है। अनुपालन बोझ को कम

करके, इसने विशेष रूप से छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए व्यापार करने में आसानी में बहुत सुधार किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जीएसटी ने आर्थिक विकास के लिए एक शक्तिशाली इंजन के रूप में भी काम किया है। इसके साथ ही भारत के बाजार को एकीकृत करने की इस यात्रा में राज्यों को समान भागीदार बनाकर सच्चे सहकारी संघवाद को बढ़ावा दिया है। जीएसटी के वर्तमान स्ट्रक्चर में चार मुख्य स्लैब 05 फीसदी, 12 फीसदी, 18 फीसदी और 28 फीसदी हैं। ये दरें देशभर में अधिकांश वस्तुओं और सेवाओं पर लागू होती हैं। उल्लेखनीय है कि देश में जीएसटी एक जुलाई, 2017 को लागू हुआ था, जिसने देश की कर प्रणाली को पूरी तरह बदल दिया है। वित्त वर्ष 2024-25 में जीएसटी कलेक्शन रिकॉर्ड 22.08 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 9.4 फीसदी की वृद्धि है। जीएसटी ने लगभग 17 स्थानीय करों और 13 उपकरों को पांच स्तरीय ढांचे में समाहित कर दिया है।

दिल्ली में बड़ा एक्शन: सात अवैध बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

दिव्य दिल्ली : दिल्ली के उत्तर-पश्चिम जिले से बड़ी खबर आ रही है, जहाँ विदेशी प्रकोष्ठ की विशेष टीम ने सात अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक, सुहान खान, को पहले भी 15 मई 2025 को निर्वासित किया गया था, लेकिन वह फिर से अवैध रूप से भारत में घुस आया। इस गिरफ्तारी से यह साफ संदेश जाता है कि भारत में अवैध प्रवेश अब नहीं चलेगा।टीम ने इन प्रवासियों के पास से तीन स्मार्टफोन भी बरामद किए हैं, जिनमें प्रतिबंधित क्टड ऐप इंस्टॉल था झ जिसका इस्तेमाल वे बांग्लादेश में अपने परिवारों से

संपर्क के लिए कर रहे थे।यह ऑपरेशन शालीमार बाग और आसपास के इलाकों में चलाया गया था और इसे बेहद सुनियोजित और समन्वित तरीके से अंजाम दिया गया। इस दौरान पाँच ट्रांसजेंडर व्यक्ति, एक महिला और एक पुरुष को भी गिरफ्तार किया गया, जो बिना वैध दस्तावेजों के भारत में रह रहे थे।दिल्ली पुलिस की यह कार्रवाई न सिर्फ राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करती है, बल्कि अवैध प्रवास पर जीरो टॉलरेंस की नीति को भी दशार्ती है। जांच जारी है और सभी आरोपियों को कानूनी प्रक्रिया के तहत आगे डिपोर्ट किया जाएगा।"

कर्नाटक कांग्रेस में बदलाव की अटकलों पर विराम

बंगलूरू/एजेंसी

कर्नाटक कांग्रेस में शिर्ष नेतृत्व में बदलाव को लेकर तेज होती अटकलों पर पार्टी के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने एक बार फिर अपनी प्रतिक्रिया दी है। मंगलवार को उन्होंने नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा को सिरे ने नकारते हुए साफ और स्पष्ट रूप से कहा कि पार्टी इस मुद्दे पर किसी भी तरह की राय नहीं ले रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में वे केवल विधायकों और सांसदों से उनके क्षेत्रों में किए गए कार्यों की जानकारी ले रहे हैं। पत्रकारों से बातचीत के दौरान सुरजेवाला ने कहा कि कल भी मैंने जवाब दिया था और आज भी साफ कर रहा हूं नेतृत्व परिवर्तन को लेकर राय लेने का सवाल ही नहीं है। जवाब केवल एक शब्द में है नहीं। बता दें कि सुरजेवाला ने मामले में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कही।

350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में सीएम भजनलाल का रोडमैप स्पष्ट

जयपुर/एजेंसी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान को 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को लेकर राज्य सरकार तेजी से कार्य कर रही है। इसके लिए आधारभूत संरचना, कृषि, शिक्षा और उद्योग जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक और नवाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में उन्होंने युवाओं को रोजगारपरक बनाने, कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

(अक) के प्रयोग और लॉजिस्टिक्स पार्क की स्थापना को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को फ्यूचर रेडी और इंडस्ट्री रेडी बनाने के लिए सरकार उन्हें अत्याधुनिक कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि युवाओं को वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाए ताकि उन्हें बेहतर रोजगार के अवसर मिल सकें। उन्होंने बताया कि कृषि क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाने और किसानों की आमदनी में वृद्धि के लिए सरकार ने सेंटर ऑफ एक्सिलेंस ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन एग्रीकल्चर की स्थापना की घोषणा की है।

एटीएफ की कीमत में 7.5 फीसदी का हुआ इजाफा, नई दरें लागू

नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के खुदरा ईंधन विक्रेताओं के मुताबिक तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने तीन दौर की कटौती के बाद विमान ईंधन की कीमतों में 7.5 फीसदी का इजाफा किया है। इसके बाद राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में एटीएफ की कीमत 6,271.5 रुपये प्रति किलोलीटर यानी 7.5 फीसदी बढ़कर 89,344.05 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। नई दरें मंगलवार से प्रभावी हो गई है। यह वृद्धि पिछले महीने ईरान पर इजराइल के हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी के अनुरूप है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में एटीएफ की कीमत 77,602.73 रुपये प्रति किलोलीटर से बढ़ाकर 83,549.23 रुपये प्रति किलोलीटर पर पहुंच गई है।

कंस्टीट्यूशन क्लब में राजनीतिक की पाठशाला का भव्य स्थापना दिवस, लोकतांत्रिक चेतना के प्रसार में योगदानकर्ताओं को किया सम्मानित

दिव्य दिल्ली: दिल्ली। कंस्टीट्यूशन क्लब में राजनीतिक की पाठशाला का आठवां स्थापना दिवस कार्यक्रम भव्य रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व संस्थापक डॉ. अजय पांडे ने किया, जिसकी शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथियों के रूप में डॉ. अभिषेक वर्मा, नरेश सिसोदिया, अशोक चौबे, रोहित पांडे, एस.के. दुग्गल, ए.पी. सिंह, देवेंद्र यादव और जितेंद्र सिंह सेंटी शामिल रहे।डॉ. अजय पांडे द्वारा वर्ष 2017 में शुरू की गई राजनीतिक की पाठशाला आज हजारों लोगों को जोड़कर देशभर में लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक चेतना को मजबूत कर रही है। कार्यक्रम में अतिथियों ने जातीय भेदभाव और देश के विकास जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा की और राजनीतिक जागरूकता बढ़ाने की इस पहल की सराहना की। साथ ही डॉ. अजय पांडे के कार्यों की भी प्रशंसा की।इस अवसर पर राजनीतिक की पाठशाला में योगदान देने वाले लोगों और वरिष्ठ पत्रकारों को सम्मानित कर अवॉर्ड प्रदान किए गए। यह मंच संविधान, लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों को जन-जन तक पहुँचाने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है और वर्तमान में इसकी पहुँच देश के सभी राज्यों तक विस्तारित हो चुकी है।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397